हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 10.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 313 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर कोकर, रांची स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बिरसा चौक, रांची स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कोटि-कोटि नमन करते हुए भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। इसके बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बिरसा चौक पहुंचे, जहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श, विचार और जीवन-मूल्य आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर सभी को समाज के वंचित, कमजोर और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। साथ ही राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए.इस दौरान मौजूद लोगों ने बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने और उनके सपनों के झारखंड के निर्माण का संकल्प लिया। सभी ने धरती आबा के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके संघर्षों तथा योगदान को याद किया।

इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, मेयर रोशनी खलखो, डिप्टी मेयर नीरज कुमार सहित कई अन्य लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

धरती आबा बिरसा मुंडा के विचार सदैव मार्गदर्शक रहेंगे : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, संघर्ष एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने जनजातीय समाज के स्वाभिमान, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा प्रदान की। उनके आदर्श एवं विचार आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवनकाल में जिस साहस और दृढ़ता के साथ अन्याय तथा शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई, वह भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उनके नेतृत्व में चले आंदोलनों ने न केवल आदिवासी समाज को नई दिशा दी, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को भी मजबूत किया।

सवा सौ वर्षों बाद भी अमर है बिरसा मुंडा की विरासत : मुख्यमंत्री

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है। लगभग सवा सौ साल के लम्बे वक़्त में भी आज पूरे देश में आदिवासी समुदाय सहित हर वर्ग के बीच उनको याद किया जा रहा है। निश्चित रूप से ऐसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व को सम्मान के साथ याद किया जाना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, आदर्श एवं दिखाए रास्ते हमें सदैव प्रेरित करेंगे। उन्होंने जो इतिहास रचा है उसे लोग सदियों तक याद रखेंगे। आज भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सभी लोग उन्हें स्मरण कर उनकी समाधि स्थल पर शीश झुकाने आए हैं, आगे भी आते रहेंगे।

एक नजर

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 15 जून को

रांची : मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा सूचित किया गया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक, सोमवार, दिनांक 15 जून 2026 को अपराह्न 04 :00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

खान सर को बड़ी राहत : पटना कोर्ट ने फिलहाल गिरफ्तारी पर लगाई रोक

पटना : चर्चित शिक्षक फैसल खान उर्फ 'खान सर' को कोचिंग सेंटर फायरिंग और तोड़फोड़ मामले में बड़ी राहत मिली है। पटना की एक अदालत ने उन्हें अंतरिम संरक्षण प्रदान करते हुए फिलहाल किसी भी तरह की कठोर पुलिस कार्रवाई पर रोक लगा दी है। अदालत के इस फैसले से खान सर को तत्काल गिरफ्तारी के खतरे से राहत मिली है। यह मामला 2 जून को पटना के कदमकुआं स्थित खान ग्लोबल स्टडीज संस्थान के बाहर हुई हिंसा, तोड़फोड़ और कथित फायरिंग से जुड़ा है। घटना के बाद वायरल हुए एक वीडियो में संस्थान के सुरक्षा गार्डों को कथित रूप से हवाई फायरिंग करते हुए देखा गया था।

महाराष्ट्र जा रहे परिवार की कार दूसरे वाहनों से टकरायी, 6 की मौत

व्यारा : गुजरात के व्यारा से कार से जा रहे एक परिवार की कार मंगलवार को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर–धुले रोड पर दूसरे वाहनों से टकरा गई। इसमें कार चार लोगों सहित 6 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ लोग घायल हो गए हैं। उन्हें अमलनेर के पास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि यह सड़क हादसा जलगांव जिले के अमलनेर–धुले रोड पर होटल वृंदावन और मंगरूल गांव के पास कार, एसटी बस और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में हुआ।

कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द

भोपाल : मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के बीच राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा रद्द कर दिया गया है, जिससे पार्टी को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के अनुसार, नामांकन पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित आपराधिक मामले की जानकारी कथित रूप से नहीं दिए जाने पर यह कार्रवाई की गई। भाजपा की आपत्ति के बाद निर्वाचन अधिकारी ने जांच शुरू की थी।

मुख्यमंत्री ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की, कहा-

राज्य के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचना प्राथमिकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- जल सहियाओं को प्रशिक्षण और जिम्मेदारी देने का निर्देश
- योजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग और बेहतर फ्रेमवर्क पर जोर
- जल संरक्षण और भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए दी दिशा

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाते हुए राज्य के प्रत्येक घर तक पाइपलाइन और नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पेयजल से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा पेयजल संकट वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने जल सहियाओं की भूमिका को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल सहियाओं को समूहवार आईटीआई में प्लंबर का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया जाए। साथ ही खराब चापाकलों की मरम्मत, सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति योजनाओं की देखरेख और रखरखाव की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी जाए। उन्होंने बेहतर कार्य करने वाली जल सहियाओं को पुरस्कृत करने और उनके लिए प्रोत्साहन कार्यक्रम चलाने की बात भी कही।

हेमन्त सोरेन ने विभाग की निमार्णाधीन योजनाओं की समीक्षा करते हुए बड़ी परियोजनाओं के लिए ठेकेदारों का व्हाट्सएप समूह बनाकर प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के लिए मजबूत फ्रेमवर्क तैयार किया जाए और वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए बैकअप प्लान विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने, योजनाएं पूरी होने के बाद समय पर यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट लेने तथा वाटर रिचार्ज के लिए सोक पिट जैसी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाने पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर 2028 तक राज्य के सभी ग्रामीण घरों में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए प्रभावी अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनुपयोगी हो चुके चापाकलों के बोरिंग का उपयोग रिचार्ज पिट के रूप में किया जाए ताकि वर्षा जल का संचयन कर भू-जल स्तर बढ़ाया जा सके। इसके अलावा लोगों को सोक पिट निर्माण और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

जनजातीय स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना के अमर प्रतीक थे बिरसा मुंडा : अमित शाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनजातीय समाज के महानायक और 'धरती आबा' बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को जनजातीय स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का अमर प्रतीक बताते हुए उनके योगदान को याद किया। अमित शाह ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने ऐतिहासिक 'उलगुलान आंदोलन' के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आजादी का शंखनाद किया था। उन्होंने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संगठित किया तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। गृह मंत्री ने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस और सामाजिक जागरण का प्रतीक है। उन्होंने जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया और समाज में आत्मसम्मान तथा स्वाभिमान की भावना को मजबूत किया।

अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि धर्मांतरण के विरुद्ध भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और जनजातीय गौरव की रक्षा के प्रति उनका समर्पण आज भी करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके विचार और आदर्श वर्तमान पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं।

सीतामढ़ी में मिट्टी के घर पर पीपल का पेड़ गिरने से मां और चार बच्चों की मौत

एजेंसी

सीतामढ़ी : बिहार में सोमवार देर रात आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने सीतामढ़ी जिले में एक परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया। रिगा प्रखंड के रेवासी गांव में एक कच्चे मकान पर विशाल पीपल का पेड़ गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है। यह हादसा सोमवार देर रात करीब एक से दो बजे के बीच हुआ, जब परिवार के सभी सदस्य अपने घर में सो रहे थे। तेज आंधी के कारण मकान के समीप स्थित एक विशाल पीपल का पेड़ अचानक कच्चे घर पर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सो रहे परिवार के सदस्य मलबे में दब गए।

हादसे में पूजा देवी, उनके पुत्र राजकुमार, पुत्री शिवानी, वीरभद्र कुमार तथा एक माह के शिशु लाइगर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। हालांकि, पूजा देवी समेत तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

राबड़ी देवी खाली करेंगी आवास, लालू और तेजस्वी पटना पहुंचे

एजेंसी

पटना : बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास को खाली कर देंगी। लालू-राबड़ी की बड़ी बेटी एवं राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने यह ऐलान किया। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर से भारत लौटने के बाद मंगलवार को पटना पहुंच गए। इस दौरान उनके बेटे तेजस्वी यादव एवं बड़ी बेटी मीसा भारती भी साथ रहीं। लालू एक सप्ताह के लिए स्वास्थ्य जांच के लिए सिंगापुर गए थे। वहां से एक दिन पहले ही दिल्ली लौटे थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित उनकी मां एवं पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास को जल्द खाली कर दिया जाएगा। मीसा ने सम्राट सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू यादव जो रेल मंत्री रहे, मुख्यमंत्री रहे, राबड़ी देवी पहली महिला सीएम रहीं, अभी विधान परिषद में विपक्ष की नेता हैं, उनका सरकारी घर खाली करवाया जा रहा है, उनकी सुरक्षा वापस ले गई है।

लालू-राबड़ी की सुरक्षा हटाने पर भड़कीं मीसा, सरकार पर साधा निशाना

पटना : पटना एयरपोर्ट पर मंगलवार को लालू यादव के साथ मौजूद मीसा भारती ने पत्रकारों से खुलकर बात की। लालू परिवार के सदस्यों की सुरक्षा कम किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को अपराधियों को सुरक्षा देने में कमी हो रही है, इसलिए दोनों पूर्व सीएम (लालू यादव एवं राबड़ी देवी) की सुरक्षा वापस कर दी गई है। मीसा ने सम्राट सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू यादव जो रेल मंत्री रहे, मुख्यमंत्री रहे, राबड़ी देवी पहली महिला सीएम रहीं, अभी विधान परिषद में विपक्ष की नेता हैं, उनका सरकारी घर खाली करवाया जा रहा है, उनकी सुरक्षा वापस ले गई है। मीसा भारती ने आरोप लगाया कि सरकार बेरोजगारी और गरीबी जैसे मुद्दों से डायवर्ट करने के लिए यह सब कर रही है। उन्होंने कहा कि जो दिलों में बसते हैं, उनको सुरक्षा की जरूरत नहीं है। आरजेडी के कार्यकर्ता उनकी सुरक्षा कर रहे हैं।

यौन अपराधों पर हाई कोर्ट की सख्ती, पुलिस अब एफआईआर दर्ज करने से नहीं कर सकेगी इनकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिलाओं और यौन हिंसा की पीड़िताओं के अधिकार, सुरक्षा, न्याय और पुनर्वास से जुड़े एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संज्ञेय अपराध, विशेषकर यौन हिंसा और पॉक्सो मामलों में क्षेत्राधिकार का हवाला देकर एफआईआर दर्ज करने से इनकार नहीं किया जा सकता।

अदालत ने कहा कि Zero FIR दर्ज करना पुलिस की कानूनी जिम्मेदारी है और ऐसा नहीं करना कानून के उल्लंघन के समान माना जाएगा।

8 जून 2026 को सुनाए गए फैसले में हाई कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को BNSS 2023 की धारा 173 के तहत Zero FIR व्यवस्था को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। कोर्ट ने पुलिसकर्मियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं ताकि यौन अपराधों के मामलों में पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जा सके। हाई कोर्ट ने महिला एवं बाल विकास विभाग को राज्यभर में संचालित वन-स्टॉप सेंटरों की कार्यप्रणाली मजबूत करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इन केंद्रों की निगरानी के लिए एक विशेष समिति गठित करने को कहा है ताकि पीड़ितों को समय पर सहायता और मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

अदालत ने पाया कि कई मामलों में यौन हिंसा की पीड़ित महिलाओं और बच्चियों को समय पर कानूनी और सामाजिक सहायता नहीं मिल पाती। इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कोर्ट ने सरकार को पुनर्वास व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों को तुरंत कानूनी सहायता, मनोसामाजिक सहयोग और आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो दुष्कर्म से जन्मे बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास की निगरानी करेगा। अदालत ने आदेश दिया कि ऐसे बच्चों को बारहवीं कक्षा तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। वहीं यदि कोई बच्चा आईआईटी, एनआईटी, एम्स या आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करता है, तो उसे उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाए।

जयपुर : पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, चार की मौत, विस्तृत जांच के आदेश

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान की राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग ने चार लोगों की जान ले ली, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। गोदाम में मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल सका। घायलों को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि यह हादसा खोह-नागोरियान क्षेत्र के आयशा नगर तलाई स्थित आईटीआई कॉलेज के पास हुआ। पटाखा गोदाम में अचानक आग भड़क उठी और कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चार घायल उपचाराधीन हैं। इनमें दो की हालत अत्यंत गंभीर है। कई दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया और लंबे समय तक राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा। उन्होंने बताया कि रिहायशी क्षेत्र में यह गोदाम अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। गोदाम मालिक के साथ-साथ मामले में जिम्मेदार पाए जाने वाले अन्य व्यक्तियों, संबंधित पुलिसकर्मियों और मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

खोया मोबाइल लौटाकर बड़कागांव पुलिस ने जीता भरोसा

बड़कागांव: बड़कागांव थाना पुलिस ने तत्परता एवं संवेदनशील कार्यशैली का परिचय देते हुए वर्ष 2025 में गुम हुए मोबाइल को बरामद कर उसके वास्तविक मालिक को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बोकारो जिले के सेक्टर 4अ निवासी सूरज हरि, पिता दुर्गा हरि का मोबाइल वर्ष 2025 में बड़कागांव क्षेत्र से गुम हो गया था। इस संबंध में बड़कागांव थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी।थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी अनुसंधान एवं लगातार प्रयास के बाद मोबाइल को बरामद कर लिया। इसके बाद मोबाइल स्वामी सूरज हरि को बोकारो से बड़कागांव थाना बुलाया गया, जहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उनका मोबाइल उन्हें सुपुर्द कर दिया गया।

अक्षय ने झारखंड में आईसीटी चैंपियनशिप में प्रथम स्थान किया हासिल

बरही : झारखण्ड सरकार द्वारा आयोजित इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी चैंपियनशिप टेस्ट मे हजारीबाग रोड स्थित दी आर्य भट्ट इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस के विद्यार्थी अक्षय कुमार सिंह पिता दीपक कुमार सिंह ग्राम खम्भवा ने 94.44 प्रतिशत अंक ला कर पुरे झारखण्ड मे प्रथम स्थान हासिल कर अपने संस्थान के साथ साथ विद्यालय एवं माता पिता का नाम रौशन किया। इस सफलता के पीछे दी आर्य भट्ट संस्थान के कंप्यूटर साइंस के शिक्षक सुधीर राणा का मार्गदर्शन एवं अहम भूमिका रही। यह टेस्ट चार स्तर पे हुई जिसमे पहला विद्यालय स्तर पे जो विद्यार्थी टॉप किये उन्हें ब्लॉक स्तर पे चयन हुआ एवं ब्लॉक स्तर पे टॉपर विद्यार्थियों का चयन जिला स्तर पे हुई एवं जिला मे टॉप किए विद्यार्थियों का फाइनल चयन राज्य स्तर पे हुई। एवं चारो स्तर पे सभी विद्यार्थियों को पछड़ाते हुए अक्षय कुमार सिंह पुरे राज्य मे प्रथम स्थान मे अपना नाम अंकित कराया। कंप्यूटर साइंस के शिक्षक सुधीर राणा ने बधाई देते हुए कहे की आज के युग मे किताबी ज्ञान जितना जरूरी है उतना ही कम्प्यूटर स्किल एवं टेक्नोलॉजी का ज्ञान होना जरूरी है। संस्थान के संचालक अरुण शर्मा ने कहा की हमारे संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को हर फिल्ड मे परिपक्व बनाना है।

पुलिस का अभियान जारी, एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

चौपारण : फरार एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चौपारण थाना पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने थाना कांड संख्या 135/26, दिनांक 19 मई 2026 से संबंधित नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उक्त कांड में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं 115, 123, 61(2), 64, 77, 78, 79, 308(2), 351(2), 352, 3(5) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(i)(r) एवं 3(i)(s) के तहत मामला दर्ज है। इस मामले में नामजद आरोपी नकीब अंसारी (पिता-अलाउद्दीन अंसारी), निवासी ग्राम तेतरिया, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन के तहत कदवा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सिविल सर्जन व कपिल मुनि ने शिविर का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से बरही के खोड़ाहार पंचायत के कदवा आंगनबाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे, उन्होंने अपनी स्वास्थ्य जांच करायी। शिविर में लोगों को टीबी बीमारी को लेकर जागरूक किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि टीबी की समय पर पहचान, जांच और उपचार से यह बीमारी बहुत जल्दी ठीक हो जाती है। ग्रामीणों को बताया गया कि उनकी जागरूकता से ही गांव , पंचायत और देश टीबी मुक्त बनेगा। शिविर में अनुमंडलीय अस्पताल बरही के उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी मुख्य रूप से मौजूद थे। हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार

और डॉ कपिल मुनि ने कदवा में लगे स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। शिविर में कुल 59 मरीजों का एक्स-रे किया गया। 04 मरीजों की बलगम जांच के लिए नमूना लिया गया। इसके अलावा 66 मरीजों की ओपीडी जांच की गई, जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन, बीएमआई समेत अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लगातार गांव गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच और नियमित इलाज से इसे जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को जल्द से जल्द टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए हाई रिस्क क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है तथा उन्हें निःशुल्क जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, बुखार, वजन में कमी या कमजोरी जैसे लक्षण हों तो वह तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। शिविर को सफल बनाने में बिजेंद्र कुमार, सुधांशु शेखर सिन्हा, संतोष कुमार, शाहजहां बेगम, सनौवर प्रवीण, रेनू देवी, राहुल कुमार, मो. शमशाद, शैलेन्द्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों से दूरदराज के लोगों को अपने गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो पा रहा है।

पंडरिया खेल मैदान की स्थिति बदहाल, ग्रामीणों की बढ़ी चिंता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सिरमा पंचायत के पंडरिया गांव स्थित खेल मैदान की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है। आगामी दिनों में मोहर्रम का पर्व शुरू होने वाला है और इसी मैदान में प्रतिवर्ष मोहर्रम मेला, अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे समय में मैदान का जर्जर होना लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। मोहम्मद तारिक ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि पंडरिया खेल मैदान क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। मोहर्रम जैसे महत्वपूर्ण पर्व से पूर्व मैदान की मरम्मत, गड्ढों की भराई एवं समतलीकरण कराया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, प्रखंड प्रशासन तथा क्षेत्र के

जनप्रतिनिधियों से मांग की है, कि मोहर्रम मेले को देखते हुए इस मामले को गंभीरता से लिया जाए। प्रशासन द्वारा तत्काल स्थल का निरीक्षण कर मैदान की मरम्मत, गड्ढों की भराई एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि मोहर्रम के अवसर पर लगने वाला मेला सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि पंडरिया का यह मैदान केवल खेलकूद का केंद्र नहीं, बल्कि क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख स्थल है। इसलिए मोहर्रम से पूर्व इस मैदान को सुरक्षित और उपयोग योग्य बनाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

पाण्डेयबारा में आरसीसी बेंच पर बवाल गुणवत्ता और खर्च को लेकर घिरे जिम्मेदार

प्रत्यूष नवबिहार (अक्सर अंसारी)

▶ आरसीसी बेंच विवाद में आमने-सामने ग्रामीण और मुखिया, प्रशासन करेगा पड़ताल

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत में मुखिया द्वारा लगाए गए आरसीसी बेंच इन दिनों विवादों में हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बेंच निर्माण में गुणवत्ता का अभाव है। कई स्थानों पर लगाए गए बेंच टूट चुके हैं, जबकि कई बेंचों में दरारें दिखाई दे रही हैं। कुछ बेंचों में नट-बोल्ट भी नहीं लगे होने की शिकायत है। लोगों का कहना है कि योजना के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। इसी क्रम में पंचायत के कमलवार गांव में मुख्य मार्ग के समीप रखी गई एक आरसीसी बेंच की स्थिति को लेकर भी ग्रामीणों ने चिंता जताई है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह बेंच मात्र एक नट-बोल्ट के सहारे टिकी हुई है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बेंच में कई जगह दरारें भी दिखाई दे रही हैं, जिससे इसके निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग की आशंका व्यक्त की जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि उक्त बेंच झाड़ियों के बीच 11 हजार वोल्ट के हाई-टेंशन विद्युत पोल के समीप रखी गई है, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

बीडीओ ने कहा होगी जांच

प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर ने कहा कि पाण्डेयबारा में आरसीसी बेंच से संबंधित अब तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। पाण्डेयबारा में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत कराए गए कार्यों की गुणवत्ता और प्रक्रिया को लेकर कुछ सवाल उठे हैं, जिसके संबंध में संबंधित अभिलेख मंगवाए जा रहे हैं। साथ ही कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता से योजना की जांच भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग से संचालित योजनाओं के लिए निर्धारित प्रक्रिया है। जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि कार्य प्राक्कलन के अनुरूप हुआ है या नहीं, प्राक्कलन में क्या प्रावधान था तथा कार्य की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार है या नहीं।

हिंदू प्लस टू स्कूल में एलएंडटी ने लगाए 100 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को मजबूत करते हुए एलएंडटी (लार्सन एंड टुब्रो) की ओर से हजारीबाग स्थित हिंदू प्लस टू स्कूल परिसर में 100 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। पेड़-पौधे न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, भू-क्षरण रोकने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए

सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एलएंडटी के क्लस्टर हेड विजय कुमारिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी लोगों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और अपने आसपास हरियाली बढ़ाने की अपील की। विद्यालय के प्राचार्य लक्ष्मण मेहता ने एलएंडटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वृक्षारोपण अभियान विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने और उनमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे आने वाले वर्षों में स्वच्छ एवं हरित वातावरण का आधार बनेंगे। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें संरक्षित रखने की अपील की।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजर दिनाकरण, एडमिन अभिषेक त्रिपाठी, श्रीजीत एस., सुजीत कुमार, किरण मंडल, नवीन सिन्हा, प्रसन्ना सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ यात्रा पर निकले युवक की हत्या न्याय की मांग को लेकर झंडा चौक जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : केदारनाथ यात्रा पर निकले एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। बरही थाना क्षेत्र के करसो पुल के समीप अपराधियों ने ओकनी निवासी विक्की सोनी की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विक्की सोनी केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने के लिए निकला था। इसी दौरान बरही थाना क्षेत्र के करसो पुल के पास अपराधियों ने उसे निशाना बनाया और गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर बरही थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और

शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं तथा अपराधियों की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए छानबीन तेज कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। हालांकि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

साधु बनकर ठगी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार, सोने के जेवर बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : साधु का वेश धारण कर लोगों को झांसा देकर सोने के जेवर ठगने वाले तीन शातिर अपराधियों को हजारीबाग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से ठगी कर ले जाए गए सोने के जेवर समेत अन्य सामान भी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार 8 जून 2026 को बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के हुरहुरू निवासी गुड़िया देवी के पति ने पुलिस को सूचना दी कि तीन व्यक्ति साधु के भेष में उनके घर पहुंचे और बातों में फंसाकर उनकी पत्नी का सोने का जेवर लेकर फरार हो गए।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी सफलता, महिला को झांसा देकर ठगे गए गहने बरामद

घटना की सूचना मिलते ही हजारीबाग पुलिस हरकत में आ गई। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस ने पीड़ित परिवार द्वारा बताए गए हुलिये और दिशा के आधार पर संभावित स्थानों पर खोजबीन शुरू की। तलाशी अभियान के दौरान क्षितिज अस्पताल के समीप एक ऑटो में सवार तीन संदिग्ध साधुओं को रोका गया। पूछताछ के दौरान उनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने तलाशी ली। तलाशी में गुड़िया देवी से ठगा गया सोने का जेवर तथा अन्य आभूषण बरामद कर लिए गए। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि तीनों आरोपी साधु का भेष बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे और मौका मिलते ही कीमती गहने लेकर फरार हो जाते थे। बरामदगी के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहतास जिले के अमझर थाना क्षेत्र निवासी मल्हेटी लांगर, अखिलेश लांगर एवं तितई लांगर के रूप में हुई है। इनके खिलाफ बड़ा बाजार ओपी में कांड संख्या 146/26 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने का जीतिया माला तथा सोने जैसे दिखने वाले सात छोटे लॉकेट बरामद किए हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इन आरोपियों का संबंध किसी बड़े ठगी गिरोह से तो नहीं है और क्या इन्होंने अन्य जिलों में भी इसी प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया है।

संक्षिप्त खबरें

तलसवार पंचायत मुख्यालय में ग्राम सभा का आयोजन, आवासों का हुआ सत्यापन

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलासवर पंचायत मुख्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़कागांव के ज्ञापन संख्या -661 के आलोक में प्रधानमंत्री आवास योजना एव ग्रामीण आवास प्लस 2024 अंतर्गत सर्वेक्षित लाभुको को ग्राम सभा के द्वारा सत्यापन एवं अनुमोदित के सबंध में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्ष तलसवार पंचायत मुखिया गीता देवी एवं संचालन पंचायत सचिव गौतम कुमार ने किया। इस ग्राम सभा में कुल- 608 लाभुको के सूची को सत्यापन किया गया ग्राम सभा में सभी जनप्रतिनिधियों एव ग्रामीण ने भाग लिया। मौके पर उपस्थित उपस्थित मुखिया गीता देवी, पंचायत सचिव गौतम कुमार, वार्ड सदस्य अजय कुमार महतो, वार्ड सदस्य काजो कुमारी, वार्ड सदस्य असरिता रुण्डा,वार्ड सदस्य ममता कुमारी देवी,ईश्वर कुमार महतो, सुनिल राज,जितेन्द्र साव, संजय साव, छोटु कुमार, बालेश्वर महतो, किरपाल महतो, राजू कुमार, शिवराम टुडू, रंजित साव, राजेश कुमार साव,सुरेन्द्र कुमार दास,मोहित महतो,सुरेन्द्र कुमार, बबलू कुमार, सरिता देवी, मंजू देवी, सुमन देवी, चिंता देवी एवं ग्रामीण लाभुक उपस्थित थे।

1 वर्ष से अधिक समय से आधी सड़क है धंसी हुई, विभाग मौन, बड़ी दुर्घटना की आशंका

बड़कागांव : रांची, पतरातु, उरीमारी को बड़कागांव प्रखंड एवं केरेडारी, टंडवा को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क में पसेरिया के थोड़ा सा आगे सड़क पूरी तरह से आधी धंस गई है। सड़क को धंसे हुए लगभग 1 वर्ष से अधिक समय गुजर चुका है अब कुछ ही दिनों के बाद मानसून एवं बरसात का आगमन भी होने वाली है। परंतु अभी तक विभाग पूरी तरह से मौन है। एवं बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रही है। जब आप उरीमारी के तरफ से आएंगे तो धंसी हुई सड़क के सामने एकदम से अचानक मोड है और सड़क बाई और धंसी हुई है। रात के अंधेरे में कई मोटरसाइकिल सवार अब तक गड्ढे में गिर चुके हैं और घायल भी हो चुके हैं। ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर कनीय अभियंता जागेश्वर उरांव ने 6 महिने पहले निरीक्षण किया था। परंतु समस्या जस की तस बनी हुई है। विधायक रोशन लाल चौधरी की पहल पर विभाग ने जल्द ही डीपीआर तैयार करने और टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के आशवासन दिया था।

बड़कागांव मुख्य चौक पर जाम से जनता त्रस्त, एम्बुलेंस तीन घंटे तक फंसी रही

बड़कागांव: बड़कागांव का मुख्य चौक इन दिनों लगातार जाम की समस्या से जूझ रहा है। मुख्य चौक से होकर गुजरता है, जिसके कारण भारी वाहनों, हाइवा, बस एवं अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। यातायात व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार को स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब एक एम्बुलेंस करीब तीन घंटे तक जाम में फंसी रही। जाम के कारण मरीज एवं उसके परिजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर जाम नहीं खुलता तो किसी मरीज की जान भी जा सकती है। मुख्य चौक पर प्रतिदिन लगने वाले जाम से स्कूली बच्चों, व्यापारियों तथा ग्रामीणों को भी परेशानी होती है। भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही के कारण सड़क पर दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बड़कागांव मुख्य चौक पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना हो सकती है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से चौक पर नियमित यातायात नियंत्रण एवं निगरानी बढ़ाने की मांग की है ताकि आम जनता को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस पर उपायुक्त ने माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : स्वतंत्रता संग्राम,आदिवासी समाज की अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर उनकी प्रतिमा पर उपायुक्त हेमन्त सती ने माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। ‘उलगुलान’ आंदोलन के माध्यम से अन्याय, अत्याचार और शोषण के विरुद्ध जो अलख उन्होंने जगाई थी,वह आज भी जनजातीय समाज और सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस दौरान उप विकास आयुक्त रिया सिंह, नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता, डीपीआरओ रोहित कुमार, सहायक नगर आयुक्त ने भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री के विजन से उपजी बिरसा हरित ग्राम योजना ने रचा इतिहासः लंदन रवाना हुई आम्रपाली आम की पहली खेप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा/रांची : झारखण्ड के सुदूरवर्ती जिले सिमडेगा ने कृषि निर्यात के क्षेत्र में एक नया स्वर्णिम इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरगामी सोच और विजन का नतीजा है कि 'बिरसा हरित ग्राम योजना' के तहत उपजे उच्च गुणवत्ता वाले आम्रपाली आम की पहली व्यावसायिक अंतर्राष्ट्रीय खेप यूनाइटेड किंगडम (लंदन) के लिए रवाना कर दी गई है। यह पहली बार है जब झारखण्ड के किसी सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाके का आम सात समंदर पार विदेशी बाजारों की शोभा बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सिमडेगा की उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिले में बिरसा हरित ग्राम बागवानी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित आम के अंतरराष्ट्रीय निर्यात की जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को बताया कि सिमडेगा के प्रसिद्ध आम्रपाली आम की पहली व्यावसायिक निर्यात खेप यूनाइटेड किंगडम के लंदन भेजी गई है। जेएसएलपीएस के महिला जागृति एवं बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी की अगुवाई में यह उपलब्धि हासिल हुई है।

यह ऐतिहासिक सफलता उस नीति की परिणति है, जिसकी नींव कोरोना महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में मुख्यमंत्री द्वारा रखी गई थी। जब गांवों में रोजगार का भारी संकट था, तब ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए फलदार बागवानी से जोड़ने वाली 'बिरसा हरित ग्राम योजना' (बीएचजीवाई) की शुरूआत की गई थी। वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक सिर्फ सिमडेगा जिले के 12,000 से अधिक किसानों ने लगभग 10,500 एकड़ भूमि पर मुख्य रूप से आम्रपाली, मल्लिका और लंगड़ा आम की बागवानी की। आज उसी सामूहिक मेहनत का मीठा फल वैश्विक बाजार के रूप में सामने आया है।

विगत वर्ष सिमडेगा में आम का बंपर उत्पादन हुआ था, लेकिन मार्केट लिंकेज की कमी के कारण किसान स्थानीय बाजार में औने-पौने दाम पर आम बेचने को मजबूर थे। इस वर्ष जिला प्रशासन ने लगातार 'बायर्स-सेलर्स मीट' आयोजित कर इस समस्या का स्थाई समाधान निकाला। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (अपेडा) के तकनीकी सहयोग से सिमडेगा के आमों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया। निर्यात के लिए जरूरी 'फायटोसैनिटरी स्टैंडर्ड्स' को पूरा करने के लिए महिला किसानों को विशेष ट्रेनिंग भी दी गई।

महिला सशक्तिकरण की नई मिसालः सखी मंडल और एफपीओ की भूमिका

सिमडेगा जिले में वर्तमान में 7,500 सखी मंडल सक्रिय हैं, जिनसे 93,000 महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। आम बागवानी से जुड़ी इन महिलाओं को जिला प्रशासन ने व्यापार की नई दिशा दी है। प्रारंभिक तौर पर 6 एफपीओ के 300 किसान इस एक्सपोर्ट चेन से जुड़े हैं। इस पहली अंतर्राष्ट्रीय खेप (1.32 टन) के लिए सिमडेगा सदर प्रखंड की 'महिला जागृति फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' तथा बानो प्रखंड की 'बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' ने मुख्य भूमिका निभाई है।

81 टन का बड़ा लक्ष्य, अब यूरोप और रिलायंस मार्ट की बारी

अकेले सिमडेगा जिले ने इस सीजन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कुल 81 टन आम विक्रय का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसी हफ्ते आम की एक और खेप यूके के लिए और दूसरी खेप यूरोप के लिए भेजी जाएगी। इसके साथ ही घरेलू कॉर्पोरेट बाजार को मजबूत करने के लिए 'रिलायंस मार्ट' के साथ भी सफल लिंकेज स्थापित किया गया है। आने वाले दिनों में जिले से रागी और इमली के निर्यात की भी संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

राज्य के 2.15 लाख ग्रामीण परिवारों की बदली तकदीर

सिमडेगा की इस सफलता के पीछे बिरसा हरित ग्राम योजना का राज्यव्यापी नेटवर्क है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत अब तक राज्य का 1.86 लाख एकड़ का एक बड़ा हिस्सा बागवानी वृक्षारोपण के दायरे में आ चुका है, जिससे 2.15 लाख ग्रामीण परिवारों को सीधे तौर पर स्थायी आजीविका और रोजगार मिला है। वित्तीय वर्ष 2021-22 तक किए गए वृक्षारोपण में से 52,000 एकड़ क्षेत्र अब पूरी तरह फल हार्वेस्टिंग के लिए तैयार हो चुका है। प्रशासन का अनुमान है कि इस हार्वेस्ट-रेडी एरिया से इस बार 50,000 मीट्रिक टन का बंपर फल उत्पादन होगा, जो आने वाले दिनों में झारखण्ड को फलों के निर्यात का एक बड़ा हब बनाएगा।

आठ साल पुरानी या डेढ़ लाख किमी चली एंबुलेंस होगी कंडम, मिला निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के सरकारी अस्पतालों में आठ वर्ष से अधिक पुराने या फिर 1.5 लाख किलोमीटर से अधिक चल चुके एंबुलेंसों को कंडम घोषित कर उनकी नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही मरीजों को बेहतर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नए एंबुलेंस की खरीद का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को इस संबंध में सभी सिविल सर्जनों एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है।

जारी निर्देश में उन्होंने कहा है कि जिलों के अधीन संचालित सभी सरकारी अस्पतालों और चिकित्सालयों में एंबुलेंसों की स्थिति की समीक्षा की जाए तथा अनुपयोगी और जर्जर वाहनों को चिह्नित किया जाए। निर्देश के अनुसार ऐसे एंबुलेंस जो निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके हैं या 1.5 लाख किलोमीटर से अधिक चल चुके हैं, उन्हें नियमानुसार कंडम घोषित कर नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। सभी सिविल सर्जनों को वाहन संख्या सहित एंबुलेंसों का विस्तृत ब्योरा तैयार कर एक सप्ताह के भीतर निदेशक प्रमुख,स्वास्थ्य सेवाएं को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

एसबीयू के दो छात्रों को 32 लाख रुपये तक का पैकेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (2022-26) बैच के दो छात्रों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी कंपनी में आकर्षक पैकेज पर प्लेसमेंट मिला है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

विश्वविद्यालय के छात्र अभिराज आर्यन को 1,24,400 एईडी प्रतिवर्ष (करीब 32.50 लाख रुपये) और शशांक पांडेय को 1,18,400 एईडी प्रतिवर्ष (करीब 31 लाख रुपये) का प्लेसमेंट ऑफर मिला है। दोनों का चयन यूएई स्थित तकनीकी कंपनी यूरुसिस में हुआ है।

कंपनी की ओर से वेतन पैकेज के अलावा करीब 39 लाख रुपये का बीमा कवरेज, आवास भत्ता, भारत-यूएई हवाई यात्रा सुविधा, पर्यटक वीजा सहायता, एमिरेट्स पहचान पत्र प्रोसेसिंग, डामन ब्रॉन्ज कवरेज तथा उबर और परिवहन भत्ता जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे छात्रों की मेहनत, प्रतिभा और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण का परिणाम बताया। इस अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट अवसर को उपलब्ध कराने में सी नियर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित कादयान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसबीयू के प्लेसमेंट विभाग द्वारा देश-विदेश की प्रमुख कंपनियों के साथ लगातार काम किया जा रहा है। वर्तमान प्लेसमेंट सत्र में कॉग्निजेंट, टीसीएस, कोटक लाइफ और कोडयंग सहित कई कंपनियां भर्ती प्रक्रिया में शामिल हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, इस वर्ष अब तक 375 से अधिक छात्रों का सफलतापूर्वक प्लेसमेंट हो चुका है, जबकि कई कंपनियों के परिणाम अभी आने बाकी हैं।

इस उपलब्धि पर प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन तथा राज्यसभा सांसद एवं निदेशक योजना एवं विकास डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने दोनों छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहित्य संगम संस्थान झारखंड इकाई का हुआ पुनर्गठन

डॉ. निवेदिता श्रीवास्तव 'गार्गी' बनीं कार्यकारी अध्यक्ष, पूनम वर्मा अनूप सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इलेक्ट्रॉनिक हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अग्रणी और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था'साहित्य संगम संस्थान' की झारखंड प्रांतीय इकाई का विधिवत पुनर्गठन किया गया। प्रदेश में साहित्यिक गतिविधियों को नई गति देने और जमीनी स्तर पर रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई ऊर्जावान कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।

पुनर्गठित प्रदेश इकाई में प्रतिष्ठित वरिष्ठ साहित्यकार डॉ . निवेदिता श्रीवास्तव 'गार्गी' को झारखंड इकाई का कार्यकारी अध्यक मनोनीत किया गया है। वहीं, अपनी सक्रियता और सांगठनिक कौशल के लिए जानी जाने वाली पूनम वर्मा

'अनूप' को प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना तंत्र और जनसंपर्क को मजबूत करने हेतु ऋतुराज वर्षा को मीडिया प्रभारी के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

इसके साथ ही झारखंड इकाई के प्रबुद्ध साहित्यकार और मार्गदर्शक डा प्रशान्त करण को उनके व्यापक अनुभवों को देखते हुए केंद्रीय कार्यकारिणी में केन्द्रीय संरक्षक' के उच्च पद पर सुशोभित किया गया है। पड़ोसी राज्य बिहार की पटना जिला इकाई में भी संगठन विस्तार करते हुए विभा वर्मा 'वाची' को 'पंच परमेश्वरी के गरिमामय पद पर मनोनीत किया गया है, जो प्रांतीय समन्वय में सहायक सिद्ध होंगी।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह 'मंत्र' ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, संस्थान को इन प्रबुद्ध कलमकारों की निष्ठा, समर्पण और साहित्यिक सेवाओं पर पूर्ण विश्वास है। इस पुनर्गठन के बाद झारखंड में इलेक्ट्रॉनिक हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार को एक ऐतिहासिक दिशा मिलेगी और राज्य के नवोदित रचनाकारों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा।

इस पुनर्गठन और नई घोषणाओं के बाद संपूर्ण देश के साहित्यिक गलियारों सहित साहित्य संगम संस्थान के पटल पर हर्ष का माहौल है। देश भर के प्रतिष्ठित कवियों, लेखकों और भाषाविदों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की है।

श्री श्याम मंदिर में 207वें सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 207वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर राम भक्तों के जयघोष और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया गया। यजमान परिवार ने केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल प्रसाद का भोग अर्पित किया। वंदना सिंह ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन कर पाठ वाचकों का सम्मान किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ श्री गणेश वंदना के बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके पश्चात भक्तों की सहभागिता से संगीतमय सुंदरकांड पाठ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान भजनों का गायन भी किया गया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत पुनः हनुमान चालीसा का पाठ कर महाआरती की गई तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। विभिन्न श्रद्धालुओं ने चना प्रसाद, केसरिया पेड़ा, गिरिगोला और फल प्रसाद सेवा का सहयोग दिया।

मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 11 जून को पुरुषोत्तमी एकादशी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया जाएगा, जबकि मुख्य संकीर्तन कार्यक्रम रात 9:30 बजे से शुरू होगा।

एसआईआर में तेजी लाने के लिए सभी बूथों पर बीएलए-2 नियुक्त करें सभी राजनीतिक दल : के. रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) की नियुक्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को सफल बनाने में बीएलए-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने इस संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पत्र भेजकर विधानसभावार प्राप्त बीएलए-2 की संख्या से अवगत कराया है। राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त बीएलए-2 की विवरणी संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को उपलब्ध कराई गई है।

जारी सूची के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी ने सर्वाधिक 21,645 बीएलए-2 नियुक्त किए हैं। इसके बाद कांग्रेस द्वारा 17,479, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) द्वारा 14,482, ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) पार्टी द्वारा 2,967, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) द्वारा 2,765 तथा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा दो बीएलए-2 नियुक्त किए गए हैं।

के. रवि कुमार ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए अपने-अपने बीएलए-2 की नियुक्ति अवश्य करें, ताकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा तैयार की जाने वाली अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृत (डेथ) तथा डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची का सत्यापन संबंधित बीएलए-2 के माध्यम से किया जाना है। इससे मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाने में सहायता मिलेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ के सहयोग के लिए राजनीतिक दलों के बीएलए-2 की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि हाल के दिनों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए-2 की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी आई है, जो सराहनीय है। सीईओ ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपील की कि जिन मतदान केंद्रों पर अभी तक बीएलए-2 नियुक्त नहीं किए गए हैं, वहां भी शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी, प्रभावी और व्यापक जनसहभागिता के साथ संपन्न हो सके।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीक पी. ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने आगामी 16 जून से 18 जून 2026 तक रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले झारखंड कृषि व्यापार मेला-2026 के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

संक्षिप्त खबरें

शहीद बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई

रांची: प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर उनके शहादत दिवस के अवसर पर केन्द्रीय सरना समिति, अनगड़ा द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए तथा उनके ऐतिहासिक संघर्षों, जनकल्याणकारी कार्यों एवं आदिवासी समाज के उत्थान में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के महान जननायक, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन, शोषण, अन्याय एवं जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका और आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक एवं संगठित किया। उनके नेतृत्व में हुए उलगुलान (महाविद्रोह) ने अंग्रेजी शासन की नींव को हिला दिया था। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने आदिवासियों की पारंपरिक भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों का विरोध किया तथा किसानों एवं आदिवासियों को अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रेरित किया। उनका प्रसिद्ध नारा अबुआ दिसुम, अबुआ राज (अपना देश, अपना राज) आज भी स्वाभिमान, आत्मनिर्णय और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक बना हुआ है। उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास, नशाखोरी एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरण अभियान चलाया। साथ ही स्वच्छता, शिक्षा, नैतिक जीवन, सामाजिक एकता एवं आत्मसम्मान पर विशेष बल दिया। भगवान बिरसा मुंडा ने समाज को संगठित कर आत्मनिर्भरता, संघर्षशीलता और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। सभा में उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने तथा जल, जंगल, जमीन, संस्कृति एवं सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। सभी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के अमर बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष एतवा उरांव, प्रमुख दीपा उरांव, जिला परिषद सदस्य (पश्चिमी) अनुराधा मुंडा, जिला परिषद सदस्य (पूर्वी) राजेंद्र शाही मुंडा, मंडल अध्यक्ष (पश्चिमी) रेजाक अंसारी, मंडल अध्यक्ष (पूर्वी) योगेंद्र बेदिया, मुखिया सीमा देवी, पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा, केंद्रीय सरना समिति के उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि (खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग) आशीष मुंडा, ग्राम प्रधान सुखराम उरांव, लोकनाथ पहान, समाजसेवी रामसाय मुंडा, आलम अंसारी, कालीचरण मुंडा, जयनाथ मुंडा, पुशनाथ मुंडा, संगीता कैथा, यशोदा देवी, संतोष कच्छप, भरत मुंडा, जितेंद्र मुंडा, गोवर्धन मुंडा, अघनु महतो, बबलू राम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता हुए प्रोन्नत

रांची : झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन सहकारिता विभाग के अधीनस्थ मत्स्य निदेशालय, रांची में पदस्थापित उप निदेशक (योजना, प्रसार एवं अनुश्रवण) संजय कुमार गुप्ता को संयुक्त मत्स्य निदेशक (योजना, प्रसार, जलाशय एवं अनुश्रवण) के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इस संबंध में आठ जून, 2026 (सोमवार) को कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग की ओर से राज्यपाल के आदेशानुसार सरकार के अवर सचिव आरके श्रीवास्तव द्वारा अधिसूचना जारी की गई। श्री गुप्ता ने नये पद पर प्रभार ग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही मत्स्य निदेशालय में अब दो संयुक्त मत्स्य निदेशक कार्यरत रहेंगे। इससे विभागीय कार्य और अधिक गतिमान होगा। विदित हो कि मत्स्य निदेशालय के कार्यों को गति देने और सूबे के मत्स्य कृषकों का उत्साहवर्धन करने में श्री गुप्ता की उल्लेखनीय भूमिका रही है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रांची : श्री रामकृष्ण सेवा संघ द्वारा संचालित विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल की राशि गबन के मामले में चुटिया थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 130/ 2022 के तहत अपर न्यायायुक्त- ।।। एके तिवारी की अदालत ने चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा द्वारा दायर की गई अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने उक्त मामले में सुनवाई करते हुए अपनी टिप्पणी में कहा कि नामजद आरोपियों के खिलाफ अदालत में पुख्ता सबूत के साथ पुलिस द्वारा केस डायरी प्रस्तुत की गई थी। जमानत याचिका खारिज करते हुए आदेश में अपर न्यायायुक्त ने कहा कि मामले में आपराधिक षड्यंत्र के साथ-साथ धोखाधड़ी, जालसाजी की गई है, जिससे संस्थान को 5 करोड़ 72 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। विदित हो कि सात जून 2022 को श्री रामकृष्ण सेवा संघ के तत्कालीन कोषाध्यक्ष तन्मय मुखर्जी द्वारा इस संबंध में चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इस मामले में चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा सहित अभय कुमार मिश्रा, काशीनाथ मुखर्जी, मलय नंदी, आदित्य बनर्जी, ठेकेदार राजेश कुमार सिंह आरोपी हैं। मालूम हो कि इस मामले में प्रवीण कुमार सिंह के अलावा अन्य आरोपियों की जमानत याचिका भी पूर्व में खारिज की जा चुकी है।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त उपायुक्त ने तय किया जवाबदेही का कड़ा मानक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने को लेकर मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अस्पतालों की कार्यप्रणाली तथा जनस्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में शत-प्रतिशत स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति पर बल देते हुए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली और ड्यूटी रोस्टर का सख्ती से पालन कराने को कहा। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने शेष पात्र लाभुकों का कार्ड बनाकर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया। वहीं प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, निःशुल्क दवा, भोजन एवं परिवहन सुविधा की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चौबीसों घंटे आपातकालीन एवं प्रसव सेवाएं सुचारू रखने के निर्देश दिए। बैठक में शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा आईडी निर्माण में तेजी लाने तथा टीबी मुक्त भारत अभियान को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने टीबी मरीजों की पहचान, उपचार और पोषण सहायता राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार केंद्रों तक पहुंचाने तथा बेहतर पोषण व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही सदर अस्पताल के रक्त भंडार को और अधिक सक्रिय बनाने एवं जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने पर बल दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, सिविल सर्जन, स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महुआ पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भदानीनगर ओपी क्षेत्र के देवरिया गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव महुआ के पेड़ से लटका मिलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान देवरिया निवासी विशाल मुंडा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल मुंडा, पिता रवि मुंडा, सोमवार रात लगभग 10 बजे घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित थे। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के समीप एक महुआ पेड़ से युवक का शव लटका देखा और इसकी सूचना परिवार तथा पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान विशाल मुंडा के रूप में की। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि घटना से पूर्व विशाल देर रात तक एक युवती से सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बातचीत कर रहा था। बताया जा रहा है कि उसका अंतिम संदेश था, अपना ख्याल रखना, मेरे जैसा कोई नहीं मिलेगा। यह संदेश अब जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है और पुलिस इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल के समीप से एक मोबाइल फोन तथा खून से सना चाकू भी बरामद किया है। बरामद वस्तुओं को जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। मोबाइल में मौजूद बातचीत, कॉल विवरण और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं। कुछ लोग इसे प्रेम प्रसंग से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कई ग्रामीण मौत की परिस्थितियों को संदेहास्पद बता रहे हैं। फिलहाल भदानीनगर पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों और जांच रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

रामगढ़ में होटलों और खाद्य इकाइयों पर चला सघन निरीक्षण अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नवल कुमार के निर्देश पर संचालित इस अभियान के तहत विभिन्न होटलों, भोजनालयों और खाद्य निर्माण इकाइयों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान सनशाइन रिसॉर्ट, होटल टी एंड ट्रीट तथा होटल पार्वती का औचक निरीक्षण किया गया। जांच टीम ने रसोईघर की स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के रखरखाव और कार्यस्थल की साफ-सफाई का जायजा लिया। संचालकों को पेयजल गुणवत्ता प्रमाणपत्र, खाद्य कर्मियों के वार्षिक स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, कीट नियंत्रण अभिलेख तथा खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण से संबंधित दस्तावेज निर्धारित अवधि के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सवैया गढ़ा स्थित सोनी फूड प्रोडक्ट्स, अग्रवाल फूड प्रोडक्ट्स, फल पकाने केंद्र तथा विशुराम नमकीन इकाई का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया, पैकेजिंग व्यवस्था और स्वच्छता मानकों की जांच करते हुए आवश्यक अभिलेख निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर विधिसम्मत कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। अभियान के दौरान सोनी फूड प्रोडक्ट्स से सॉस तथा अग्रवाल फूड प्रोडक्ट्स से नूडल्स का नमूना संग्रहित किया गया।

मीता पोर्टल की शिकायतों के त्वरित निष्पादन पर डीसी सख्त, सात दिनों में कार्रवाई के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनता शिकायत कोषांग अंतर्गत मीता पोर्टल पर जनता दरबार से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित आमजनों की शिकायतों पर की गई कार्रवाई की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान सभी प्रखंड एवं अंचल कार्यालय, बिजली विभाग, अपर समाहर्ता कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, खनन विभाग, नगर परिषद् झुमरी तिलैया तथा नगर पंचायत कोडरमा एवं डोमचांच से संबंधित मामलों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मीता पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में तेजी लायें और 7 दिनों के अंदर मामले का निस्पादन करेंगे। प्रत्येक मामले में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखें, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।बैठक में अपर समाहर्ता संजय पीएम कूजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन वर्णवाल सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी उपस्थित रहे।

जयनगर में आम उत्सव-सह-बागवानी मेला किसानों ने प्रदर्शित की उन्नत किस्मों की आम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के प्रचार-प्रसार, उत्पादित फलों के लिए बाजार उपलब्ध कराने तथा किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से आए प्रगतिशील किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने बागानों में उत्पादित आम की विभिन्न उन्नत किस्मों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में आम्रपाली, दशहरी, मालदा, हापुस, गुलाब खास सहित कई अन्य प्रजातियों के आम आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर आमों की खरीदारी की तथा किसानों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कृषि एवं बागवानी कार्यों में आने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों से अधिकारियों को अवगत कराया। किसानों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आम उत्सव में प्रखंड प्रमुख अंजू देवी, उप-प्रमुख राज नारायण सिंह, सहायक अभियंता तारिक अनवर, बीपीएम जेएसएलपीएस नितीश कुमार, प्रधान सहायक नागेश्वर राम, प्रखंड नाजिर भुवनेश्वर दास तथा आकांक्षी प्रखंड फेलो (एबीएफ) अशोक कुमार सहित प्रखंड एवं अंचल के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जयनगर प्रखंड में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया गया जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर प्रखंड कार्यालय सभागार में आज प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा प्रशासनिक गतिविधियों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर पंचायत सचिव, जनसेवक, ग्राम रोजगार सेवक, बीएफटी, प्रखंड समन्वयक, अभियंता, आपूर्ति, कल्याण, स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं, मानव दिवस सृजन, लंबित कार्यों, मजदूरी भुगतान तथा परिसंपत्ति निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा के क्रम में स्वीकृत, निमार्णाधीन एवं अपूर्ण आवासों की स्थिति पर चर्चा की गई। लाभुकों को समय पर किस्त भुगतान सुनिश्चित करने तथा लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों, ग्राम सभाओं के आयोजन, पंचायत अभिलेखों के संधारण एवं पंचायत स्तर पर प्राप्त जनसमस्याओं के निराकरण की समीक्षा की गई। पंचायत स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की समीक्षा के दौरान राशन वितरण की स्थिति, लाभुकों को खाद्यान्न की उपलब्धता तथा वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के संबंध में चर्चा की गई। सभी पात्र लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने का निर्देश दिया गया। कल्याण विभाग के अंतर्गत छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक स्वच्छता, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्रामों के निर्माण हेतु जनसहभागिता बढ़ाने तथा पंचायत स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया।

एक नजर

पतरातू यार्ड में रेलवे की मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन तैयारियों का हुआ परीक्षण

रामगढ़ : यात्रियों की सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत पतरातू यार्ड में मंगलवार को व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आयोजित इस अभ्यास में ट्रेन दुर्घटना जैसी संभावित आपदा की स्थिति का वास्तविक स्वरूप में प्रदर्शन कर विभिन्न विभागों की तैयारियों का परीक्षण किया गया। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर आरपीएफ पतरातू पोस्ट के निरीक्षक प्रभारी अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान यार्ड में खड़ी स्टेबल रेक को दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन मानते हुए राहत एवं बचाव अभियान संचालित किया गया। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। अभ्यास के दौरान यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने, उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुर्घटना स्थल की घेराबंदी करने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा घायलों को अस्पताल भेजने से पूर्व आवश्यक चिकित्सकीय सहायता देने की पूरी प्रक्रिया का चरणबद्ध अभ्यास किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और कार्यकुशलता का भी परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल में रेलवे सुरक्षा बल के अलावा चिकित्सा विभाग, कैरिज एंड वैगन विभाग, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग तथा स्थायी पथ विभाग के कुल 31 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

मां मथुरासिनी दरबार मंडल का सजा प्रथम दरबार, भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

झुमरीतिलैया : श्री माहुरी भवन में माँ मथुरासिनी दरबार भजन मंडली के तत्वावधान में माँ मथुरासिनी का प्रथम दरबार श्रद्धा और भक्ति के माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी के भजनों का आनंद लिया और जयकारों से पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। पूजा अर्चना अखिलेश पांडेय ने कराई तथा यजमान पूनम सेठ एवं विनोद सेठ रहे। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें गिरधारी सोमानी,मुन्ना भदानी, सत्येंद्र सिन्हा, पंकज केशरी, सत्यम, विशाल सिंह, सुरेश यादव, राजा चौरसिया, विनोद चौरसिया, आनंद सिंह, साक्षी भदानी एवं पूनम सेठ सहित अन्य भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान हर घर ज्योत अभियान के तहत श्रद्धालुओं ने मां मथुरासिनी की महिमा का गुणगान किया और माता के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। देर रात तक चले भजन-कीर्तन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

वाटर प्लांटों का औचक निरीक्षण, बिना लाइसेंस संचालन पर कार्रवाई की चेतावनी

कोडरमा : उपायुक्त के आदेश एवं विभागीय निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा अभिषेक आनंद द्वारा कोडरमा सदर, झुमरी तिलैया एवं गुमो स्थित विभिन्न वाटर प्लांटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जलवाबाद स्थित शिवगंगा जल एवं बरसोतियाबार स्थित रौशन वाटर का फूड लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया। वहीं, गुमो स्थित एस.एस. वाटर का फूड लाइसेंस त्रुटिपूर्ण पाया गया। जांच के क्रम में पी.आर. इंटरप्राइजेज, मां शुद्ध जल, नारायणी वाटर एवं ए.पी. एक्वा का फूड लाइसेंस वैध पाया गया। निरीक्षण के दौरान बिना फूड लाइसेंस के अवैध रूप से व्यवसाय संचालित करने वाले वाटर प्लांट संचालकों को शीघ्र फूड लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

22 जून को होगा 16वां प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

रामगढ़ : शिक्षा, प्रतिभा और उत्कृष्टता को सम्मानित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मारवाड़ी प्रतिभा सम्मान मंच, रामगढ़ द्वारा 16वें प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 22 जून को गोला रोड स्थित श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर एवं धर्मशाला संस्था प्रांगण में किया जाएगा। समारोह संध्या 5 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न शैक्षणिक, प्रतियोगी एवं अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर समाज और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। मंच का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को शिक्षा और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करना है। समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता डॉ. ए. के. बरेलिया ने की, जबकि संचालन मंच के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पी. अग्रवाल ने किया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों की सूची, अतिथियों के स्वागत एवं आयोजन की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपाध्यक्ष गोविंद लाल अग्रवाल, श्याम सुंदर परशुरामपुरिया, कोषाध्यक्ष सुरेश बॉण्दिया, अनिल मित्तल, मानद सचिव प्रभात अग्रवाल तथा संयुक्त सचिव उमेश राजगढ़िया सहित मंच के अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। सभी ने समारोह को गरिमामय एवं सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मंच के पदाधिकारियों ने मारवाड़ी समाज के सभी सदस्यों से समारोह में सपरिवार उपस्थित होकर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। मंच का मानना है कि प्रतिभाओं का सम्मान न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि समाज में शिक्षा और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के वातावरण को भी मजबूत करता है। यही उद्देश्य इस सम्मान समारोह को विशेष और प्रेरणादायी बनाता है।

बिरसा मुंडा की 126वीं शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

रामगढ़ : धरती आबा बिरसा मुंडा की 126वीं शहादत दिवस के अवसर पर हेहल में श्रद्धा, सम्मान और संकल्प का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में बिरसा मुंडा समाज सुधार समिति एवं आदिवासी संघर्ष मोर्चा से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिमा स्थल की पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने प्रतिमा एवं चरणों पर जल अर्पित किया, धूप-अग्नि प्रज्ज्वलित की तथा अरवा चावल चढ़ाकर माल्यार्पण किया। इसके बाद धरती आबा अमर रहें, जल-जंगल-जमीन हमारा अधिकार है तथा सामाजिक न्याय से जुड़े नारों के साथ पूरा परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर नागेश्वर मुंडा ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, पहचान, धर्म-संस्कृति और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के महान योद्धा थे। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ राष्ट्रीय स्वतंत्रता और आदिवासी समाज के सामाजिक अधिकारों की लड़ाई एक साथ लड़ी थी। राजनीतिक स्वतंत्रता भले प्राप्त हो चुकी हो, लेकिन सामाजिक न्याय और अधिकारों की लड़ाई आज भी जारी है। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक देवकीनंदन बेदिया ने कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी समुदाय के अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हीरोलाल मुंडा, बृज नारायण मुंडा, बाटेश्वर मुंडा, नीता बेदिया, सीता देवी, देवकीनंदन बेदिया, धनीराम प्रजापति, मदन प्रजापति, नारायण मुंडा, तृतियाल बेदिया, रोहिलाल मुंडा, अमर मुंडा, महेंद्र मुंडा, खुशी कुमारी, सीता मुंडा, मीना मुंडा, सुषमा देवी, शिवाली बेदिया, गीता बेदिया, बसंती मुंडा, रोहित मुंडा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

248 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की स्वीकृति, बाल संरक्षण पर विशेष जोर

कोडरमा : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण इकाई, कोडरमा की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम एसएफसीएसी समिति की बैठक के दौरान 248 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत एकल अथवा पूर्ण अनाथ बच्चों के पालन-पोषण एवं शिक्षा के लिए प्रति माह 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाती है। इससे पूर्व जिले में 512 बच्चों को इस योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है।उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र बच्चों को चिन्हित कर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए, ताकि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर संरक्षण एवं शिक्षा सुनिश्चित हो सके।बैठक में बाल संरक्षण जिला स्तरीय समिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह से संबंधित जो भी मामले संज्ञान में आए हैं, उनका नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वात्सल्य सदन के निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड में ग्राम स्तर पर बाल कल्याण समितियों के गठन का निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा से जुड़े मामलों में स्थानीय स्तर पर सक्रिय निगरानी व्यवस्था विकसित की जाए। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय एवं सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत लाभुकों का शत-प्रतिशत भौतिक एवं वार्षिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिया गया। वहीं झारखंड मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना के लाभुकों का भी भौतिक एवं वार्षिक सत्यापन समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश सभी अंचल अधिकारियों को दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

200 केवीए का ट्रांसफार्मर जला उपभोक्ता परेशान

सरिया : सरिया नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 चंद्रमारणी स्थित भोंगी बांध रोड में लगा 200 केवीए का ट्रांसफार्मर वज्रपात के कारण रविवार को जल गया। जिस कारण उक्त ट्रांसफार्मर से जुड़े उपभोक्ता अंधेरे की जिंदगी जीने को विवश हैं। उमेश भारी इस गर्मी में विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को घरों में पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। इनवर्टर,कूलर,पंखे,टीवी सब बेकार पड़े हुए हैं। लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। जनरेटर चलाकर लोग अपने घरों में लगे पानी टंकी को भरने को विवश है। ताकि पीने का पानी उपलब्ध हो सके। इस संबंध में उपभोक्ताओं ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर से लगभग डेढ़ सो उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। परंतु इस भीषण गर्मी से बचने के लिए विद्युत उपकरणों का उपयोग भी अधिक हो रहा है। जिस कारण ट्रांसफार्मर में अधिकार भी हुआ है। लोगों ने बताया कि ट्रांसफार्मर के जलने की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। जहां आश्वासन मिला है कि एक-दो दिनों में उक्त जले हुए ट्रांसफार्मर को दुरुस्त कर बिजली व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी।

चतरा में 1.38 किलो अवैध अफीम के साथ एक गिरफ्तार

चतरा : अफीम के सौदागरों के खिलाफ चतरा पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर गिद्धौर के बेल गाछ के पास छापेमारी कर पुलिस ने 1.380 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सदर थाना क्षेत्र के उदय दांगी (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध अफीम, एक मोबाइल फोन और एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (संख्या जे एच 13एच-5234) बरामद की है। इस संबंध में गिद्धौर थाना कांड संख्या 73/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि मामले में आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में गिद्धौर थाना पुलिस और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम ने की।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर विधायक ने दी श्रद्धांजलि

खूंटी : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने मंगलवार को कर्रा प्रखंड के जलंगा गोविंदपुर पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और झामुमो कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि वे जल, जंगल और जमीन की रक्षा, आदिवासी समाज के अधिकार, स्वाभिमान और अस्मिता के सबसे बड़े प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अल्प जीवनकाल में शोषण, अन्याय और दमन के खिलाफ संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी। उनका त्याग, बलिदान और संघर्ष आज भी देशभर के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राहुल केशरी, झामुमो प्रखंड सचिव विनोद उरांव, प्रखंड उपाध्यक्ष लछुवा लोहरा, मुखिया छत्री हेमरोम, सोसन होरो, शम्भू शर्मा, नामजन होरो, दिलीप होरो, बाका लकड़ा, सुदेश होरो, सुनील धान, कार्तिक उरांव, रोशन उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिग्री कॉलेज बरही चंदवारा में 7 दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन

एआई मानवीय बुद्धिमत्ता का विकल्प नहीं यह सहायक उपकरण : प्रो आशीष श्रीवास्तव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : डिग्री कॉलेज बरही चंदवारा में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन, बीएचयू वाराणसी तथा विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का विषय रहा समानतामूलक उच्च शिक्षा : भारतीय ज्ञान परंपरा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण।

समापन दिवस पर प्रतिभागियों ने समूह प्रस्तुतियों के जरिए प्रशिक्षण के अनुभव और निष्कर्ष साझा किए। मुख्य वक्ता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने सुशासन, नेतृत्व, संस्थागत विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान की सफलता सुशासन, दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत संस्थागत ढांचे पर निर्भर करती है। उन्होंने डिजिटल युग में सूचना के सत्यापन की जरूरत बताई। भ्रामक खबरों से सावधान रहने की अपील की। प्रो. श्रीवास्तव कहा कि कृत्रिम ने **बुद्धिमत्ता (एआई) नेतृत्व या मानवीय बुद्धिमत्ता का विकल्प** नहीं है। यह सहायक उपकरण है। इसका प्रभावी उपयोग निरंतर अभ्यास, अनुभव से सीखा जा सकता है। समापन सत्र में कार्यक्रम संयोजक, पीएम-उषा नोडल पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, आयोजकों के प्रति आभार जताया। मुख्य अतिथि डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने शिक्षकों से भारतीय ज्ञान परंपरा, आधुनिक तकनीक के संतुलित उपयोग से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश आनंद ने इसे शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी बताया। सात दिनों तक चले कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।

24 घंटे बाद स्वर्णरेखा नदी से युवक का शव बरामद, एनडीआरएफ की टीम ने निकाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : चौका थाना क्षेत्र के जायदा मंदिर के समीप स्वर्णरेखा नदी में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव लगभग 24 घंटे बाद मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। मृतक की पहचान प्रेम कुमार (23 वर्ष), पिता विक्रम कुमार, निवासी आदर्श कॉलोनी, सोनारी, जमशेदपुर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सोमवार की शाम करीब 6 बजे प्रेम कुमार नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूब गया था। सूचना मिलते ही चौका थाना पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से खोजबीन शुरू की गई, लेकिन रात तक सफलता नहीं मिल सकी।

मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम द्वारा सर्च अभियान चलाया गया, जिसके बाद युवक का शव नदी से बरामद किया गया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही ईचागढ़ विधायक सबिता महतो, झामुमो नेता चारू चंद किस्कु, ओम प्रकाश लायक, काबलू महतो समेत कई जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। वहीं चौका थाना प्रभारी गौरव कुमार वर्मा सोमवार से ही घटनास्थल पर कैंप कर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे थे। सर्च अभियान के दौरान चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, चांडिल प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी भी लगातार मौजूद रहे और बचाव कार्य का जायजा लेते रहे। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जिप सदस्य ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम : जिला परिषद सदस्य संख्या-9 पूर्णिमा मलिक ने मंगलवार को अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। उन्होंने परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह इलाके में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण और जल निकासी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप करने की अपील की। पूर्णिमा मलिक ने कहा कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण जगह-जगह कचरा जमा हो रहा है। साथ ही नालों की नियमित सफाई नहीं होने से कई स्थानों पर जलजमाव और गंदे पानी के बहाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने मांग की कि बागबेड़ा की तरह परसुडीह, हरहरगुट्टू और करनडीह में भी जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के माध्यम से नियमित सफाई व्यवस्था लागू की जाए।

श्मशान घाट और दफन स्थल पर स्वास्थ्य केंद्र निर्माण से भड़का जनाक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी प्रखंड की रोमी पंचायत में श्मशान घाट एवं दफन स्थल की भूमि पर स्वास्थ्य केंद्र निर्माण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आया। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे और निर्माण कार्य का विरोध करते हुए इसे तत्काल बंद करने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस भूमि पर वर्षों से अंतिम संस्कार और हरिजन समाज के लोगों के शव दफनाए जाते रहे हैं, उसी स्थान पर स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया जा रहा था। ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान दफन स्थल की खुदाई की गई, जिससे वहां दफन किए गए लोगों के अवशेष बाहर आने की बात सामने आई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश पैदा कर दिया। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर धार्मिक आस्था, सामाजिक परंपरा और मृतकों के सम्मान की अनदेखी नहीं की जा सकती।

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि आखिर किस आधार पर श्मशान घाट और दफन स्थल जैसी संवेदनशील भूमि का चयन स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए किया गया। लोगों का कहना है कि यदि किसी सरकारी परियोजना के लिए भूमि चयन किया जाता है तो उससे पहले स्थानीय लोगों की राय और स्थल की वास्तविक स्थिति की जांच होनी चाहिए थी। लेकिन इस मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि बिना जनभावनाओं का ध्यान रखे निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। मामले की सूचना मिलते ही कटकमसांडी जिला परिषद पूर्वी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष मंजू नंदिनी, अंचल अधिकारी तथा थाना प्रभारी बिट्टू रजक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

शक्ति ऊर्जा महोत्सव का हुआ आयोजन अतिथियों ने किया भव्य उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखण्ड क्षेत्र के मिलन चौक में मंगलवार को सरिता इंटरप्राइजेज परिसर में शक्ति ऊर्जा महोत्सव का उद्घाटन जेड एम माधव राव, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू, उप प्रमुख दिपक कुमार साहु, एरिया मैनेजर दीपक कुमार, व्यवसायिक समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार माझी, संचालक शिवनाथ, रोहित महतो ने संयुक्त रूप से फीता काट कर व दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं अतिथियों को अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया गया। 11 किसानों को शक्तिमान कंपनी कि रोटावेटर विशेष आफर के साथ दिया गया। वहीं शक्ति मान कंपनी के जेड एम माधव राव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आधुनिक भारत में किसानों को वैज्ञानिक और उच्च तकनीक को अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शक्तिमान रोटावेटर, बीज बोने,धान, गेहूं कटाई मशीन का बाजार में सबसे अधिक मांग है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों एवं ग्राहकों के साथ संवाद स्थापित कर ओर अधिक सहुलियत देने या अधिक जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने इसका भरपूर उपयोग करने का अपील किया, ताकि समय का बचत और फसल का अधिक उपजाऊ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विशेष आफर,छुट सहित कंपनी द्वारा लागू गाइडलाइंस के संबंध में जानकारी दिया। मौके पर पूर्व मुखिया पंचानन पातर, व्यवसायिक समिति के सचिव दीलीप कुमार दास, महेश्वर गोप, नेपाल महतो, दीलीप महतो, हरेन्द्र नाथ साहू, करमचंद गोप, अमुल्य प्रामाणिक,अजय रक्षित , डॉ सृष्टि धर महतो, धीरेन्द्र नाथ दास सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। ऐसे समय में सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का सहयोग उनके लिए संबल का कार्य करता है।

पान तांती स्वांसी कल्याण समिति ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड प्रदेश पान तांती स्वांसी कल्याण समिति की पश्चिमी सिंहभूम इकाई की ओर से मंगलवार को मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों के कुल 38 छात्र-छात्राओं को सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समिति की प्रदेश उपाध्यक्ष गुलाबी तांती उपस्थित थीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है और ऐसे सम्मान कार्यक्रम युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पश्चिमी सिंहभूम इकाई के मुख्य संरक्षक डॉ झारानंद दास, प्रदेश महासचिव विजय कुमार दास, पूर्वी सिंहभूम अध्यक्ष निर्मल बागती, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, जिला सह सचिव अरुण दास, शिक्षक ओमीर दास और वरिष्ठ पत्रकार अनंत लाल तांती मौजूद थे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता रहेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष इस्माइल सिंह दास, सचिव शंकर पान, उपाध्यक्ष दुर्योधन पान, मोहन केशरी, किशोर भंज, राहुल दास, डॉ. अशोक दास, शैलेंद्र पान, कृपासिद्ध पान, मुन्ना दास, दुर्योधन दास, चंद्र प्रभा पान, देव कुमार, जयप्रकाश दास सहित महिला एवं युवा इकाई के सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

नगर भवन में आम उत्सव सह बागवानी मेला का हुआ आयोजन

बरही : बरही प्रखंड परिसर स्थित नगर भवन में मंगलवार को बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम उत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन बीटीएम राकेश कुमार ने किया। वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, प्रमुख मनोज रजक, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, बीडीओ जयपाल महतो, सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव, जिप प्रतिनिधि गणेश यादव, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता एवं बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक शामिल हुए। जहां सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर आम बागवानी का शुभारंभ किया। आम उत्सव का मुख्य उद्देश्य मनरेगा के माध्यम से किसानों को आम की बागवानी से जोड़कर आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। मेला में प्रखंड के विभिन्न पंचायत जैसे दुलमहा, करियातपुर, करसो, केदारूत, खोड़ाहर, रसोईया धमना, मलकोको, बरसोत, खोड़ाहर एवं बेन्दगी से दर्जनों किसान शामिल हुए। मेले में किसानों द्वारा मालदा, दशहरी, आम्रपाली, लंगड़ा, फाजली आम एवं लाल बादशाह जैसी कई उन्नत प्रजापतियों के आमों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। साथ ही किसानों ने अपनी बागवानी से उत्पादित आम को स्टॉल में प्रदर्शनी लगाया। मेला में बागवानी महिला किसान आरती कुमारी, शकुंती कुमारी, सीता सीमा कुमारी, नांदिया कुमारी, श्रवण कुमार सिंह, ममता देवी, आरती देवी एवं मुकेश कुमार समेत कई अन्य महिला किसान मौजूद थे।

झामुमो नेता त्रिभुवन मंडल का पलटवार, विपक्षियों पर लगाया जमीन कब्जा और साजिश का आरोप

सरिया : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला उपाध्यक्ष और झारखंड आंदोलनकारी त्रिभुवन मंडल ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विरोधियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ चलाए जा रहे जमीन संबंधी आरोपों को मनगढ़ंत और राजनीतिक साजिश करार दिया। त्रिभुवन मंडल ने दावा किया कि जो लोग उन पर किसानों की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगा रहे हैं, वे खुद भू-माफिया हैं और लगभग अधा दर्जन गरीब व अल्पसंख्यक परिवारों की जमीन दबाकर बैठे हैं। उन्होंने नामजद आरोप लगाते हुए कहा कि स्व. अयूब मियां, इदरीश अंसारी, मुंशी मंडल और सरस्वती दास की जमीनों पर राजू मंडल और उसका बेटा भूषण मंडल ने अवैध कब्जा कर रखा है। त्रिभुवन मंडल ने पुलिस प्रशासन से अपील की कि ऐसे आपराधिक चरित्र के लोगों पर अविलंब कार्रवाई की जाए और गरीबों की जमीन मुक्त कराई जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके खिलाफ माहौल बनाने के लिए महिलाओं को 300 और पुरुषों को 500 रुपए देकर एसडीओ कार्यालय ले जाया जा रहा है। त्रिभुवन मंडल ने भाकपा माले के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि माले को अपनी गिरती राजनीतिक जमीन की समीक्षा करनी चाहिए और किसान हित के नाम पर राजनीति करने के बजाय जनता की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल,राँची

ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

टेन्डर रेफरेंन्स नं0–प0नि0वि0/राँची–01/2026–27

दिनांकः– 09.06.2026

1.	कार्य का नाम	बी0आई0टी0 मोड़ से बी0आई0टी0 गेट भाया जवाहर नवोदय विद्यालय पथ (कुल लम्बाई–2.50 कि0मी0) का राईडिंग क्वालिटी में सुधार कार्य (Improvement of Riding Quality) कार्य वर्ष 2026–27.
2.	प्राक्कलित राशि (रू0 लाख में)	रू0 149.58015 लाख (रूपये एक करोड़ उनचास लाख अंठावन हजार पन्द्रह रूपये) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि (रू0 लाख में)	रू0 3.00 लाख (रूपये तीन लाख) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 (तीन) महीना
5.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.06.2026 10.30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय	02.07.2026 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने तिथि/समय	03.07.2026 12.30 बजे
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची–834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651–2361018
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जिसे Tender Online Upload में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhand tenders.gov.inपर देखा जा सकता है।
- नियम एवं शर्तें के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।

PR 381956 Road Construction Dept Road Division Ranchi(26-27).D

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेन्टर, रामगढ़
भर्त्ती कैम्प दिनांक 12 जून 2026

सूचना

राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में नियोजन प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में जिला नियोजनालय, रामगढ़ द्वारा भर्त्ती कैम्प का आयोजन 12.06.2026 को पूर्वाह्न् 11.00 बजे से अपराह्न् 03.00 बजे तक जिला नियोजनालय, रामगढ़ के कार्यालय परिसर में किया जा रहा है।

इस भर्त्ती कैम्प में निम्नलिखित निजी क्षेत्र के नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है, तथा उनसे प्राप्त रिक्तियॉं निम्नलिखित है :–

Sl No	Name & Address of the Employer	Post	No of Vacancies	Qualification	Age	Salary (Rs.)	Remarks	Job Location
1.	Shyam SEL	Technician	40	Diploma (All Trade)	18-40 Years	15000-21000		PAN
		Jr. Technician	40	ITI (All Trader)	18-40 Years	12000-18000		
		Office Staff	10	12th Pass	18-40 Years	12000		
		Mobilizer	20	12th Pass	18-40 Years	16000		
		Ply Coach Attendant	50	10th Pass	18-40 Years	15000		
2.	Parallax Honda, Ramgarh	Technician	01	12th Pass	18-40 Years	12800	-	Ramgarh
		Sales Executive	01	12th Pass	18-35 Years	12800		Ramgarh
		Sales Executive/ Back Office	01	12th Pass	18-35 Years	12800		Ramgarh

योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा https://jharniyojan.jharkhand.gov.in/ पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्त्ती कैम्प में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों की एक छायाप्रति तथा बायोडाटा (02 कॉपी), दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो। जो उम्मीदवार पूर्व में निबंधित है, उन्हे पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि रिक्ति निजी क्षेत्र की है, अतः चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्ताक्षेप नहीं होगा।

जिला नियोजन पदाधिकारी
रामगढ़

PR 381882 Labour Employment and Traning(26-27)D

डिजिटल युग में सनातन धर्म का महत्व

आज के डिजिटल युग में सनातन धर्म का महत्व मानव चेतना के लिए एक ढाँचे के रूप में इसकी भूमिका से उत्पन्न होता है, जो एल्गोरिदम केंद्रित, मशीनी दुनिया में आवश्यक संतुलन प्रदान करता है। ऐसे समय में जब शीघ्रता, दक्षता और बाहरी संपर्कों पर जोर दिया जाता है, सनातन धर्म गहन अंतर्दृष्टि और आंतरिक स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया के उदय ने गोपनीयता और प्रामाणिकता पर नैतिक बहस को जन्म दिया है। सत्य और अहिंसा पर सनातन धर्म का जोर इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए नैतिक आधार प्रदान करता है। यह लोगों को प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे करुणा और ईमानदारी पर आधारित एक डिजिटल संस्कृति का विकास होता है। सनातन धर्म एक डिजिटल मार्गदर्शिका है जो वेद, उपनिषद और भगवद गीता पर केंद्रित सनातन धर्म की गहन शिक्षाओं का अध्ययन करती है। पारंपरिक एआई मॉडल के विपरीत, जो व्यापक और सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, सनातन धर्म विशेष रूप से सनातन सिद्धांतों पर आधारित अंतर्दृष्टि और सलाह प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रौद्योगिकी और परंपरा का अनूठा संगम है, जिसका उद्देश्य सनातन धर्मग्रंथों के शाश्वत ज्ञान को विश्वव्यापी दर्शकों तक पहुंचाना है। यद्यपि डिजिटल युग में सनातन धर्म को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है, प्रौद्योगिकी परंपराओं का स्थान नहीं लेती बल्कि उन्हें और समृद्ध करती है। यह लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ती है और उन लोगों के लिए भी प्रथाओं को सुलभ बनाती है जो अन्यथा उनमें भाग नहीं ले पाते। औपनिवेशिक काल में मुद्रण तकनीक और आधुनिक अकादमिक प्रकाशन का विकास हुआ, जिसके परिणामस्वरूप असंख्य संस्कृत और क्षेत्रीय रचनाओं का दस्तावेजीकरण और अनुवाद संभव हुआ। वर्तमान डिजिटल युग ने आध्यात्मिक और दार्शनिक रचनाओं के व्यापक संरक्षण, अनुक्रमण और वैश्विक वितरण को संभव बनाकर इस प्रयास को और आगे बढ़ाया है। डिजिटल पुस्तकालय, पांडुलिपि संग्रह और खुले मंच अब ज्ञान की नाजुक परंपराओं की रक्षा करने और उन्हें विश्व भर के विद्वानों, छात्रों और आध्यात्मिक साधकों के लिए उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हाल के दशकों में, पारंपरिक ज्ञान में रुचि का उल्लेखनीय पुनरुत्थान हुआ है। विश्वविद्यालय, सांस्कृतिक संगठन, स्वतंत्र शोधकर्ता और डिजिटल मानविकी पहल ने पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करने, आलोचनात्मक संस्करण तैयार करने और संरचित अकादमिक डेटाबेस विकसित करने के लिए मिलकर काम किया है। कई प्रमुख पहलें धार्मिक ज्ञान के डिजिटल संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरी हैं। चिंता की बात यह है कि औपनिवेशिक काल के दौरान मैक्स मुलर जैसे विद्वानों ने महान भारतीय संस्कृति, परंपराओं, विज्ञान, पर्यावरण, मनोविज्ञान, चेतना और जीवन प्रबंधन के गहन ज्ञान के विरुद्ध भारतीयों और शेष विश्व के मन में दुर्भावना पैदा करने के उद्देश्य से वेदों और उपनिषदों का गलत अनुवाद किया और भ्रामक ढंग से उनका अनुवाद किया। इसके हानिकारक प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं, विशेष रूप से युवा भारतीय दिमागों पर। आज की दुनिया में, वामपंथी तंत्र शक्तिशाली एआई की विशेषताओं का उपयोग करके महान भारतीय ज्ञान को और अधिक विकृत कर सकता है, जिससे भावी पीढ़ियों के दिमाग में भारत की अवधारणा के खिलाफ जहर घोला जा सके। सोशल मीडिया ने सनातन धर्म के विकास के लिए विश्वव्यापी मंच स्थापित किया है। वैदिक दर्शन, योग और सनातन धर्म पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न पृष्ठ, समूह और प्रभावक दुनिया भर से समान हित वाले व्यक्तियों को एक साथ ला रहे हैं। ये ऑनलाइन रिक्त स्थान आभासी सत्संग में विकसित हो रहे हैं, जहां समकालीन जिज्ञासा के साथ कालातीत ज्ञान को जोड़ा जा रहा है। कई लोगों के लिए ये प्लेटफॉर्म एक प्रवेश बिंदु के रूप में कार्य करते हैं, जो सनातन दर्शन के विशाल क्षेत्र में रुचि को उजागर करते हैं।

नेत्रदान : अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।

नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान ह्यसाइट फर्स्टह्न दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही 'विश्व नेत्रदान दिवस' की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

आखिर परीक्षाओं के प्रति हम कब गंभीर होंगे?

गिरीश्वर मिश्र

राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षाओं की छीछालेदर देखते हुए यह सवाल उठाना बेहद जरूरी हो गया है कि सरकार कब इस विषय पर गंभीर होगी और कुछ निर्णायक कदम उठाएगी। ऐसी परीक्षाओं की साख बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। बार-बार नीट जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में गड़बड़ी होना अक्षम्य है। पिछली बार की गड़बड़ी से सबक न लेते हुए एनटीए ने इस बार की परीक्षा की बलि ले ली और लाखों छात्रों को मुश्किल में डाल दिया। पहले की तरह सरकार की ओर से जांच-पड़ताल की कार्रवाई की सूचना जारी हो चुकी है। संसद की स्थायी समिति ने भी काम शुरू कर दिया है। समिति के सदस्य माननीय सांसद एनटीए से "पेपर लीक" की परिभाषा पूछने और जानने में लगे हुए हैं।

अखबारी खबर के अनुसार एनटीए का कहना है कि "गेस पेपर" यानी अनुमानित प्रश्न को "पेपर लीक" नहीं कहा जा सकता इसलिए जो भी हुआ वह पेपर लीक ही नहीं है। बात कानूनी अर्थ लगाने की है। अब यदि कोई अभ्यर्थी या अध्यापक या फिर कोचिंग संस्थान प्रश्नपत्र का सटीक अनुमान लगा ले तो क्या किया जा सकता है? मेधावी लोग कुछ भी कर सकते हैं। स्थिति हास्यास्पद हो रही है क्योंकि सभी अपने-अपने दायित्व को मुस्तैदी से निभाने की ज़िम्मेदारी निभाते दिखने की भारी-भरकम कवायद में जुटे हुए हैं। यह अद्भुत दृश्य उपस्थित है : वे यही कह रहे हैं कि जो है या जो हुआ वह स्वाभाविक है यानी वही हो ही सकता था! परीक्षा की नई तारीख मुकर्रर कर दी गई है। भगवान करे वह परीक्षा बिना किसी विवाद के हो जाय और युवा वर्ग को अपने जीवन के पथ पर चलने का एक अवसर मिले।

गौरतलब है कि अन्य परीक्षाओं में भी धांधली की अनेक घटनाएँ सामने आती रही हैं और अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर फायदा उठाने के मसले भी पकड़ में आते रहे हैं। अक्सर इन मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं होती या फिर कार्रवाई ही नहीं होती। जो भी हो अक्सर अपराधी दण्डित नहीं हो पाते। दूसरी तरफ बहुत से निरपराधियों को बेगुनाह होते हुए भी नाहक ही अच्छा-खासा नुकसान उठाना पड़ता है। व्यवस्था अपनी जगह चलती रहती है। सच कहा जाय तो यह समस्या सुविधा और शार्टकट के सहारे सस्ते में लाभ कमाने की व्यापक होती जा रही संस्कृति का ही हिस्सा है। पैसा कमाने की चाह जाने कितने तरह के अनैतिक , भ्रष्ट और आपराधिक किस्म के गलत कामों को प्रोत्साहन देती है। कुछ दिनों पहले नीट मामले में यह खबर भी आई थी कि कुछ अध्यापक जिन्हें एनटीए ने योग्य माना और परीक्षा के गोपनीय कार्य में लगाया उन्होंने फौरी अर्थ लाभ पाने की आशा से परीक्षा के प्रश्न पत्र के साथ छेड़खानी की और पेपर लीक हो गया था। उन अध्यापकों को गिरफ्तार भी किया गया था। इस समस्या का एक नया आयाम डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग सें भी जुड़ गया है। इंटरनेट की सुविधाएं , सर्च इंजिन और सर्वर आदि की समस्या के कारण परीक्षा से जुड़े कामों में बाधा उत्पन्न होती है। सीबीएसई के ताजा मामले में कुछ यही हुआ है जिसे अब आईआईटी की तकनीकी सहायता से दूर किया जा रहा है।

यह विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षण और परीक्षण के बीच अब दो फाँक हो चुकी है। पढ़ने वाला, पढ़ाने वाला और पढ़ाई की पड़ताल करने वाला और जीविका देने वाला धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर होते गए हैं। उनका आपस में एक-दूसरे पर कोई भरोसा नहीं है। शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी पाने के लिए या व्यवसाय की दुनिया में कदम रखने के वक्त परीक्षा के लिए लोक सेवा आयोग जैसी संस्थाएं देश और प्रदेश के स्तर पर बनाई गई थीं और बहुत हद तक उनकी साख अब भी अक्षुण्ण बनी हुई है। परंतु परीक्षा का विस्तार जिस तरह हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है। अब शिक्षा की अवधि और प्रकार में बड़ा बदलाव आया है और उसी के साथ परीक्षा नामक व्यवस्था का हर तरफ विस्तार हुआ है। अब शिक्षा के क्रम में परीक्षा की चुनौती नया रूप ले रही है। आगे की शिक्षा पाने की पात्रता का आधार क्या हो और उसका पिछली पढ़ाई के साथ क्या रिश्ता हो यह गंभीर मुद्दा बन चुका है। हायर सेकेंडरी या ग्रेजुएट स्तर की परीक्षा के प्राप्तांक स्वयं में अब कोई खास अर्थ नहीं रखते। बीए/ बीएससी/ बी काम/ एलएलबी जैसी किसी भी स्नातक स्तर की कक्षा में प्रवेश के लिए भी एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी की राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा देना जरूरी है।

दरअसल, औपचारिक शिक्षा की उपयुक्तता संदिग्ध हो चली है और उसमें छात्र की उपलब्धि उसकी पात्रता को बताने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए शिक्षा के आयोजन में परीक्षा अब एक स्वतंत्र व्यवस्था के रूप में संचालित की जा रही है। उसके लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जैसी अलग विशाल संस्था खड़ी की गई है। मुश्किल यह है कि अब उसकी प्रक्रियाओं को लेकर भी शंका और संदेह उठ रहे हैं। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत मूल्यांकन को शिक्षा से स्वतंत्र नहीं बल्कि शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में स्वीकार किया गया है। उसके हिसाब से मूल्यांकन एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और उसका लाभ शिक्षा अर्जित करते समय सीखने की प्रक्रिया को पुष्ट करने के रूप में शिक्षार्थी को मिलना चाहिए। इस नीति में परीक्षा को तनावमुक्त बनाने पर भी जोर दिया गया है। पर सच्चाई कुछ और है। परीक्षा के दबाव को झेलने वाले छात्रों को अवसाद, अभिभावकों को दुश्चिंता और तनाव होना आम बात होती जा रही है। खबर है कि नीट की परीक्षा से त्रस्त एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली।

परीक्षा बहुत से छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो रही है। उसके लिए भी उच्चतम न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाई है और सरकार की ओर से कमेटी भी बन गई है। कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। काश इन जांचों, समितियों और उनकी संस्तुतियों को लेकर कुछ ठोस कदम भी उठाए जाते। जरूरी है कि उनके सुझावों को ठंडे बस्ते में न डालकर उन पर अमल करने की दिशा में हम आगे बढ़ें। देश के भविष्य के लिए शिक्षा की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) पर विचार करना जरूरी है। छात्रों के स्वास्थ्य और हित को सुरक्षित रखने का उद्यम सभी का एक साझा दायित्व है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

सूडोकु नवताल- 7821

★★★✯✩ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7820 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

राज्यसभा में 2/3 बहुमत से मोदी सरकार को असीम शक्तियां!

संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में 18 जून 2026 की तारीख एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। देश के 12 राज्यों में राज्यसभा की 26 सीटों पर होने वाले चुनाव केवल सांख्यिकीय फेरबदल नहीं हैं, बल्कि ये उस संवैधानिक भविष्य की नींव रख सकते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वर्षों से आकार देने की कोशिश कर रहा है। इन चुनावों के बाद राज्यसभा में एनडीए का आंकड़ा 150 के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत का अर्थ केवल संख्या बल नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में यह साफ किया गया है कि किसी भी संविधान संशोधन को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। इस विशेष बहुमत का मतलब उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन से होता है। यही वह कुंजी है जो संविधान के उन दरवाजों को खोल सकती है जो अब तक बंद थे। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मामला सबसे पहले और सबसे अधिक चर्चित है। संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को लोकसभा से संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने की संस्तुति मिलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में इस बिल को सभा पटल के सामने रखा था, लेकिन सरकार के पास संवैधानिक संशोधन को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं था। अप्रैल 2026 में संसद के विशेष सत्र में लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल पर चर्चा हुई, लेकिन इसे पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जो सरकार को नहीं मिल सकी। अब यदि 18 जून के बाद राज्यसभा में बहुमत का गणित बदलता है तो यह विधेयक मानसून सत्र में फिर से जीवित हो सकता है।

इससे जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में फिर से पेश करने के लिए भाजपा की योजना 18 जून को राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद द्रमुक समेत कुछ अन्य ऐसे विपक्षी दलों को साधने की है। भाजपा को तीन कारणों से संविधान संशोधन विधेयक पर आगे बढ़ने का हौसला मिला है। पहला, राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंचना; दूसरा, तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में टूट की संभावना; और तीसरा, द्रमुक और भाजपा के बीच बढ़ती करीबी।महिला आरक्षण के साथ ही परिसीमन का मुद्दा भी गहराई से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं, जो 1977 के बाद से स्थिर हैं। इंदिरा सरकार ने परिसीमन लाकर सीटें 525 से बढ़ाकर 543 कर इसे फ्रीज कर दिया था। अब जनसंख्या के अनुपात में लोकसभा की सीटें बढ़ाने और उनमें महिलाओं के लिए आरक्षण तय करने के लिए एक साथ संविधान संशोधन जरूरी है। दक्षिण भारतीय राज्यों को चिंता है कि नई सीटों का बंटवारा उत्तर भारत के पक्ष में होगा क्योंकि वहां जनसंख्या अधिक है। इसीलिए पीएम मोदी को यह आश्वासन देना पड़ा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा।

समान नागरिक संहिता भाजपा के घोषणापत्र का वह वादा है जो दशकों से लंबित है। उत्तराखंड इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन चुका है। केंद्र में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संविधान में संशोधन अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके कुछ पहलू जैसे मुस्लिम व्यक्तिगत कानून को प्रभावित करने वाले प्रावधान विधायी और सांख्यिकीय दृष्टि से संवेदनशील हैं। राज्यसभा में मजबूत बहुमत मिलने के बाद सरकार के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना राजनीतिक रूप से कहीं आसान हो जाएगा। न्यायपालिका की नियुक्ति प्रक्रिया भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां मोदी सरकार लंबे समय से बदलाव चाहती है। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में असंवैधानिक करार दे दिया था। सरकार और न्यायपालिका के बीच न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका को लेकर वर्षों से टकराव चल रहा है। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के बाद सरकार एक बार फिर इस दिशा में संविधान संशोधन लाने का साहस जुटा सकती है। अनुच्छेद 356 अर्थात राष्ट्रपति शासन की शर्तों को लेकर भी समय-समय पर संशोधन की मांग उठती रही है। इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून और अनुच्छेद 31 से जुड़े पुराने विवाद हैं, जिन पर सरकार नए सिरे से नीति बना सकती है। आर्थिक नीतियों को अधिक लचीला बनाने के लिए संविधान की नौवीं अनुसूची में संशोधन भी एक विकल्प है, जिसमें कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बाहर रखा जाता है।

हालांकि यह समझना जरूरी है कि राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत अकेले पर्याप्त नहीं है। किसी भी संविधान संशोधन को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। लोकसभा में विधेयक पारित कराने के लिए समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या द्रमुक में से कम से कम दो मुख्य विपक्षी दलों को मतदान से अनुपस्थित रहना होगा। कुछ संवेदनशील संशोधनों के लिए राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की भी जरूरत होती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 18 जून के चुनाव परिणाम केवल राज्यसभा की सीटों का हिसाब-किताब नहीं करेंगे, बल्कि भारत के संवैधानिक भविष्य की दिशा भी तय करेंगे। यदि एनडीए दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गया और साथ ही कुछ विपक्षी दलों का सहयोग मिल गया, तो ऐसे संशोधन, जो वर्षों से राजनीतिक बहस का हिस्सा थे, कानूनी हकीकत बन सकते हैं।

दैनिक पंचांग

10 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

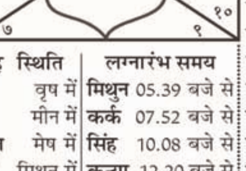

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.39 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.52 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.08 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.46 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.53 बजे से
राहुकाल		मीन	00.26 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.57 बजे से
बजे तक		वृष	03.37 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 161 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 09.22 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 06.30 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.53 बजे तदनन्तर विष्टि 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 00' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872736 **जूलियन दिन** 2461201.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बाइक से गिर कर युवक गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती

साहिबगंज : जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली नया टीकर निवासी शमशेर के 35 वर्षीय पुत्र डब्लू मोटरसाइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, जहां इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक ने इलाज किया। परिजनों ने बताया कि डब्लू शादी में शामिल होने के लिए सकरीगली से कुछ दूरी पर स्थित पटनिया टोला गया था। लौटने के दौरान पुल के पास मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सदर अस्पताल के इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात डॉ आशुतोष कुमार ने बताया कि युवक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें सीटी स्कैन कराने की सलाह दी गयी है। फिलहाल ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है।

झोलाछाप से इलाज करने में बिगड़ी हालत, रेफर

साहिबगंज: जिले के बारियो थाना क्षेत्र के डीगरा पहाड़ वर्तमान में रहने वाले शिव कुमार रजवार को मंगलवार को गंभीर अवस्था में बोरियो सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। शिव कुमार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। शिवकुमार रजवार के पिता निम्बूलात ने बताया कि सांस में तकलीफ होने पर पुत्र को बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया गया। बोरियो के एक झोला छाप चिकित्सक ने एक सप्ताह पूर्व ईलाज किया था। सुगर अधिक होने पर इन्सुलियन पांच माह से ले रहा था। एक सप्ताह से बुखार होने पर झोलाछाप डॉक्टर ने दवा दी। जहां आज मंगलवार को हालत में सुधार नहीं होने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया।

अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस 2026 मनाया

साहिबगंज: पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा दिनांक 09 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस 2026 मनाया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ के वैश्विक सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य रेलवे समपारों पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देना तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है। मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम ताराचंद, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, मालदा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। यह जागरूकता अभियान मंडल के सभी समपार फाटकों पर चलाया गया, जिसमें मालदा टाउनझन्यू फरक्का, न्यू फरक्काझजंगीपुर रोड, न्यू फरक्काझसाहिबगंज, साहिबगंजझभागलपुर, भागलपुरझकिऊल तथा भागलपुरझगोड्डा खंड शामिल थे। इस अवसर पर मालदा टाउन एवं गौर मालदा स्टेशनों के मध्य स्थित समपार फाटक संख्या 64/ई/स्पेशल पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सहयोग से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, मालदा द्वारा किया गया। स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्थानीय निवासियों एवं सड़क उपयोगकताओं को रेलवे सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण संदेश प्रभावी ढंग से प्रदान किए गए।अभियान के दौरान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, मालदा ने स्थानीय लोगों एवं क्षेत्रवासियों के साथ सीधे संवाद स्थापित कर समपार फाटकों पर अनधिकृत रूप से रेलवे लाइन पार करने के खतरों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर सड़क उपयोगकताओं के बीच सुरक्षा संबंधी पंपलेट भी व्यापक रूप से वितरित किए गए, जिनमें समपार फाटकों पर अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों का उल्लेख किया गया था।

चाय दुकान की आड़ में चल रहा था नशे का कारोबार, ब्राउन शुगर व गांजा के साथ दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पुष्पानगर में पुलिस ने अवैध मादक पर्दाथों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक चाय दुकान पर छापेमारी कर ब्राउन शुगर और गांजा बरामद किया है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को सूचना मिली थी कि पुष्पानगर स्थित एक चाय दुकान में अवैध रूप से ब्राउन शुगर और गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल जब दंडाधिकारी के साथ ग्रामीण सड़क किनारे स्थित चाय दुकान पहुंचा तो पुलिस को देखकर वहां मौजूद कुछ लोग भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो व्यक्तियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान चाय दुकान संचालक अंसारूल शेख के पास से 12 पुड़िया ब्राउन शुगर तथा दुकान से 9 पुड़िया ब्राउन शुगर, 24 पुड़िया गांजा और 2310 रुपये नकद बरामद किए गए। वहीं सादुल शेख के पास से 2 पुड़िया गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार कुल 21 पुड़िया ब्राउन शुगर (7.07 ग्राम) और 26 पुड़िया गांजा (54.73 ग्राम) जब्त किया गया है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने कथित तौर पर बताया कि पश्चिम बंगाल से मादक पदार्थ लाकर क्षेत्र में सप्लाई की जाती थी। इस संबंध में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 73/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले में नामजद एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गले में फंदा लगा कर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के तीन पहाड़ बजार में बीते सोमवार की देर रात एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर ली। अनुमंडल अस्पताल में परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मो अमानतुल्लाह (45) रोजाना की तरह खाना पीना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। कुछ देर के बाद परिजनों को कुछ आशंका हुआ तभी कमरे में जाकर देखा तो उक्त व्यक्ति पंखे के सहारे गले में रस्सी डालकर फांसी लगा लिया है। हो हल्ला होते ही परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा तुरंत उसे उतार गया और इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया जा रहा था। जहां और रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। मंगलवार को राजमहल थाना के एएसआई एस.के. तिर्की के मौजूदगी में प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम करने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटा और एक बेटी सहित पूरा भरा पुरा परिवार छोड़ गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

खुले में मीट-मुर्गा बिक्री पर सख्ती, नगर परिषद ने दुकानदारों को दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र में ओर फुटपाथ में मिट, मुर्गा दुकान लगाने वाले दुकानदार खुले में दुकान न लगाए, सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें उक्त बाते नगर परिषद ईओ अभिषेक कुमार सिंह ने कहा। नगर परिषद सभागार में मंगलवार को ईओ की अध्यक्षता में मिट, मुर्गा, मछ्ली दुकानदारों के साथ बैठक आयोजित किया गया। जिसमें ईओ ने सभी दुकानदारों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के बारे में विस्तार से बताया ओर कहा कि स्कूल व धार्मिक स्थल से 100 मीटर दूरी पर दुकान लगेगा, दुकान का दरवाजा में काला शीशा लगा होगा, उसके अंदर ही मटन, चिकन कटेगा, खुले में मटन, चिकन नहीं कटेगा, दुकान में पानी निकासी का साधन हो, मिट काटने का सामग्री स्टेनलेस स्टील का बना हो, मांस काटने का बोर्ड लगाना है कि झटका है या हलाला है, डिस्प्ले वाला फ्रिज लगाना होगा, दुकान में डस्टबिन ओर कूड़ादान होना अनिवार्य है, दो दिनों के अंदर सभी मिट, मुर्गा दुकानदार सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन सख्ती से करे, मिट, मुर्गा को पहले देख लीजिए कि वो बीमार न हो, बीमार पशु को न काटे उसका हेल्थ जांच अवश्य कराए, गर्भवती पशु और तीन माह के पशु, बीमार पशु का वध नहीं होगा, वध करने से पहले पशु का मेडिकल जांच अवश्य करे, बिना पंजीयन के पशुशाला ओर वधशाला संचालित नहीं होगा, बिना लाइसेंस का मिट, मुर्गा दुकान संचालित नहीं होगा, जितना पशु कटेगा उसका दुकान के बाहर डिस्प्ले लगाना अनिवार्य है, नियम का पालन न करने वाले दुकानदार को पांच हजार का जुमार्ना लगेगा, एक दिन में ज्यादा से ज्यादा 10 पशु ही वध करना है, वध किए पशु का खून खुली नाला में न बहाया जाए, एक पशु का वध करने के बाद दूसरे पशु का वध न करे सहित सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन के बारे में बताया। वही दो दिनों के अंदर दुकान में सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइन का पालन करने का सख्त निर्देश दिया गया। मौके पर नगर परिषद कर्मी, मिट दुकान संचालक मुन्ना कुरैशी, सद्दाम सहित दर्जनों दुकानदार उपस्थित थे।

बाइक चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुल के समीप स्थित एक मोटरसाइकिल गैरेज से बाइक चोरी होने के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार गैरेज संचालक राहुल कुमार ने नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके गैरेज से एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 103/2026, दिनांक 08 जून 2026, धारा 30(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सायमूल हक, पिता- रमजानी, निवासी मखमलपुर दक्षिण, थाना मुफ्फसिल, गुलशन यादव,पिता मोहन यादव, निवासी शोभनपुर भट्टा, थाना मुफ्फसिल, तथा रौनक यादव, पिता रामकुमार यादव, निवासी कमलटोला, थाना नगर, शामिल हैं। तीनों आरोपी साहिबगंज जिले के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू उठाव पर रोक, एनजीटी के निर्देश लागू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले की नदियों से बालू के उठाव पर 10 जून से आगामी 15 अक्टूबर तक पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुरूप लागू किया गया है। मानसून अवधि के दौरान पर्यावरण संरक्षण, नदी पारिस्थितिकी के संतुलन तथा जलीय जीवों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष यह रोक लगाई जाती है। जिला प्रशासन एवं खनन विभाग द्वारा सभी बालू घाट संचालकों, संवेदकों और संबंधित एजेंसियों को निर्धारित अवधि के दौरान नदी से किसी भी प्रकार के बालू उठाव, परिवहन एवं भंडारण नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध अवधि में अवैध खनन या बालू परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खनन विभाग के अनुसार मानसून के दौरान नदियों में जलस्तर बढ़ने से खनन गतिविधियां पर्यावरण के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती हैं। इसके अलावा नदी तटों के कटाव और प्राकृतिक प्रवाह पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी कारण एनजीटी द्वारा प्रत्येक वर्ष वषार्काल में बालू खनन पर रोक लगाने का प्रावधान किया गया है। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध बालू खनन या परिवहन की सूचना मिले तो इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सरकारी नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिबंध अवधि समाप्त होने के बाद नियमानुसार पुनः बालू उठाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल 10 जून से 15 अक्टूबर तक जिले की सभी नदियों से बालू खनन एवं उठाव पूरी तरह बंद रहेगा।

पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर

पीवीटीजी टोला में बिजली, पानी एवं सोलर लाइट सुनिश्चित करना प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला पंचायत शाखा, ग्रामीण विकास विभाग एवं जेएसएलपीएस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, परियोजना पदाधिकारी (मनरेगा), जिला समन्वयक आवास, प्रभारी डीपीएम ई-पंचायत, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक आवास, बीपीएम जेएसएलपीएस सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त ने 15वें वित्त आयोग मद के व्यय प्रतिवेदन की प्रखंडवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान अमड़ापाड़ा, हिरणपुर एवं महेशपुर प्रखंडों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमा पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी लंबित कार्यों को अगले दस दिनों के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना स्वीकृत योजना के किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं किया जाए तथा वित्तीय अनुशासन का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने पंचायत सचिवालयों में स्थापित ज्ञान केन्द्रों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन पंचायतों में पुस्तकों की उपलब्धता नहीं है, वहां जिला परिषद के माध्यम से पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही ज्ञान केन्द्रों को बच्चों के सर्वांगीण विकास का केन्द्र बनाने हेतु क्विज प्रतियोगिता, रंगोली, पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए। इसके लिए विद्यालयों एवं शिक्षकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। बैठक में जिला परिषद द्वारा स्वीकृत 38 हेल्थ सब-सेंटरों की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि चार हेल्थ सब-सेंटर भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण लंबित हैं। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर भूमि उपलब्धता संबंधी प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

आंगनबाड़ी सेविकाओं के क्षमता संवर्धन हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

पाकुड़ : ज़िले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आंगनबाड़ी सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज डीआरडीए सभागार, पाकुड़ में मॉडल आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला समाज कल्याण शाखा, पाकुड़ के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की मॉडल आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभागीय योजनाओं के संचालन, ऑनलाइन पोर्टल प्रविष्टि, आवेदन प्रक्रिया, लाभुक स्वीकृति, भुगतान प्रक्रिया तथा विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लंबित मामलों के निष्पादन, लाभुक पंजीकरण, फेस रिकग्निशन सिस्टम, फेस ऑथेंटिकेशन, आधार सीडिंग, डीबीटी इनेबल, एनपीसीआई मैपिंग तथा भुगतान प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही निर्देश दिया गया कि एएनसी जांच के 30 दिनों के भीतर लाभुकों का पंजीकरण एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली जाएं, ताकि उन्हें समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जा सके। इसके अतिरिक्त सैम, मैम, पोषण ट्रैकर अंतर्गत दैनिक मॉनिटरिंग, आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत संरचना विकास, होम विजिट, टीएचआर वितरण, जीएमडी मशीन के उपयोग सहित विभागीय योजनाओं के विभिन्न मॉड्यूल पर भी विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा योजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान भी किया गया।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर उपायुक्त ने अर्पित की श्रद्धांजलि

साहिबगंज : उलगुलान के महानायक, जल-जंगल-जमीन के अमर प्रहरी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभागार, साहिबगंज में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्त्ता गौतम कुमार भगत, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।कार्यक्रम का समापन भगवान बिरसा मुंडा के महान व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन करते हुए किया गया।

पतना प्रखंड में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की प्रखंड कमेटी गठित, सुभाष टुडू बने अध्यक्ष

साहिबगंज: पतना प्रखंड के मोदी कोला मे झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक मे प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। यह चयन प्रदेश महामंत्री राजकुमार यादव की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान व मजदूर हितों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक मे प्रखंड अध्यक्ष सुभाष टुडू, उपाध्यक्ष अशोक कुमार पंडित, सोना सोनी, संगठन मंत्री सुनील मालतो को बनाया गया। इस अवसर पर फूल कुमारी देवी, मिथुन यादव, अंसार खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं मजदूर प्रतिनिधि ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष टुडू को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा संगठन का मुख्य उद्देश्य मजदूरों, किसानों व शोषित वर्ग को उनके हक-अधिकार दिलाना है। उन्होंने कहा कि नई कमेटी प्रखंड के हर पंचायत में जाकर मजदूरों को संगठित करे और मनरेगा, पेंशन, ई-श्रम कार्ड, बीओसीडब्ल्यू निबंधन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाए। वही नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष टुडू ने कहा पतना प्रखंड मे 15 जून से सदस्यता अभियान शुरू करेंगे। प्रखंड कार्यालय में हर सोमवार को मजदूर दरबार लगेगा। मनरेगा मजदूरी भुगतान में देरी व अन्य समस्याओं को लेकर जल्द प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक पंचायत में 11 सदस्यीय इकाई का गठन किया जाएगा एवं महिलाओं-युवाओं को संगठन में प्राथमिकता दी जाएगी।

चलती ट्रेन से गिरकर अज्ञात महिला गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज: महाराजपुर रेलवे स्टेशन के समीप मंगलवार को चलती ट्रेन से गिरने के कारण एक अज्ञात महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से महिला को उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ब्रह्मपुत्र मेल में यात्रा कर रही थी। ट्रेन के महाराजपुर क्षेत्र से गुजरने के दौरान उसने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने महिला को बेहोशी की हालत में टोटो के माध्यम से सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने तत्काल उसका उपचार शुरू किया। सदर अस्पताल के चिकित्सक मुकेश कुमार ने बताया कि महिला के सिर में गंभीर एवं अंदरूनी चोटें आई हैं। फिलहाल उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है, जहां वह बेहोशी की अवस्था में है। इस बीच रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेल पुलिस ने महिला की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन उसके पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हो सके। समाचार लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो पाई थी। रेल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा महिला की पहचान के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने यात्रियों से चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास नहीं करने की अपील की है।

नाबालिग से हैवानियत : दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, दो आरोपी हिरासत में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र में एक किशोरी के साथ दुष्कर्म और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला मंगलवार को सामने आया है। दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग की माता की शिकायत पर सेक्टर 12 थाना में मामला दर्ज कराया गया। सिटी डीएसपी राजीव रंजन के निर्देश पर सेक्टर-12 इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सिंह की छापेमारी अभियान चलते हुए महज तीन घंटे में दो नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों नाबालिगों को न्यायालय में दंडाधिकारी के सामने पेश किया गया। घटना का खुलासा तब हुआ, जब पीड़ित नाबालिग और उसकी सहेली मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने के इरादे से घर छोड़कर मंगलवार को निकल गईं। परेशान घरवाले खोज कर दोनों नाबालिग को घर लाये। इसके बाद दोनों ने घटना की पूरी जानकारी घरवालों को दी। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के जयपाल नगर की रहने वाली दो नाबालिग किशोरी शनिवार को घर से दुकान जाने के लिए निकली थीं। इसी दौरान दो नाबालिग किशोर उनके पास पहुंचे। उन्हें दुकान तक छोड़ने की बात कहकर एक ऑटो में बैठा लिया। दोनों किशोरियां झांसे में आकर ऑटो में बैठ गईं। कुछ दूर जाने के बाद जब ऑटो उनके गंतव्य स्थान से आगे बढ़ने लगा, तो दोनों किशोरियों ने इसका विरोध किया। आरोप है कि दोनों किशोरों ने मेडिकल दुकान जाने का बहाना बनाते हुए कहा कि लौटने के दौरान उन्हें घर के पास छोड़ दिया जाएगा। इस पर दोनों किशोरियां उनके झांसे में आ गईं। इसके बाद दोनों को एक सुनसान स्थान पर ले जाकर एक नाबालिग किशोरी के साथ एक नाबालिग किशोर ने दुष्कर्म किया। वहीं, मौके पर मौजूद दूसरे किशोर ने घटना का वीडियो बनाया। किशोरी घटना की जानकारी सामाजिक लोक लाज के कारण परिजनों को नहीं दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों किशोरों ने दोनों किशोरी को ब्लैकमेल करना शुरू किया। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर मंगलवार को दोनों नाबालिग आत्महत्या करने के इरादे से घर से निकल गई। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, तब जाकर घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद परिजनों दोनों किशोरियों को लेकर थाना गए और लिखित शिकायत दर्ज कराई।इस मामले पर बोकारो के सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने कहा कि दोनों आरोपी नाबालिग किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। न्यायालय में किशोरियों का बयान कलमबद्ध कराया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

एक नजर

मदरसा विवाद को लेकर रघुनियाडीह में हंगामा पुलिस ने जड़ा ताला

जयनगर : नईटांड पंचायत के रघुनियाडीह स्थित मदरसा जामिया फातमा लिल बनात में जमीन और संचालन को लेकर चल रहे विवाद ने मंगलवार को उग्र रूप ले लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि मदरसा की जमीन संस्था के बजाय संचालक के नाम पर दर्ज करा ली गई है, जिसे लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मंगलवार को कथित तौर पर कमेटी द्वारा लगाए गए ताले को तोड़कर शिक्षक-शिक्षिकाओं के मदरसा में प्रवेश करने के बाद ग्रामीण भड़क उठे और बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर डीएसपी अरविंद कुमार, सीओ सारांश जैन, इंस्पेक्टर सुजीत कुमार समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। करीब दो घंटे तक पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक चली। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को नियंत्रित किया और मदरसा में अपना ताला जड़ दिया। डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है। मामले की जांच की जा रही है तथा विवाद के समाधान तक मदरसा बंद रहेगा।

शहरी जलापूर्ति योजना की वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग तेज

साहिबगंज: शहरी जलापूर्ति योजना को लेकर सरकारी दावों की सत्यता पर सवाल उठने लगे हैं। जनहितकर्ता सिधेश्वर मंडल ने नगर परिषद अध्यक्ष को आवेदन देकर शहर के सभी वार्डों में जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति की जांच कराने तथा रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग की है। अपने आवेदन में उन्होंने कहा है कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड के अभियंता प्रमुख द्वारा माननीय उच्च न्यायालय झारखंड, रांची में दिनांक 04 मई 2026 को दाखिल काउंटर एफिडेविट के साथ प्रस्तुत प्रोग्रेस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि विशेष सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की अध्यक्षता में 24 मार्च 2026 को हुई समीक्षा बैठक में बताया गया था कि साहेबगंज नगर क्षेत्र के कुल 28 वार्डों में से 22 वार्डों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, जबकि शेष वार्डों में आंशिक रूप से जलापूर्ति हो रही है।जनहितकर्ता ने नगर परिषद अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि उक्त दावों की जमीनी स्तर पर जांच कराई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि किन-किन वार्डों में नियमित जलापूर्ति हो रही है और किन वार्डों में आंशिक अथवा नहीं के बराबर जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने आग्रह किया है कि जांच रिपोर्ट नगर परिषद के लेटर पैड पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि आगामी सुनवाई के दौरान माननीय उच्च न्यायालय झारखंड में सही एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके।

जन समाधान दिवस पर उपायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को जन समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और सभी आवेदनों पर त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को दिए। उपायुक्त ने कहा कि आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन समाधान दिवस नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद, विश्वास और जवाबदेही को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। बैंक खाता होल्ड: रबिउल शेख, पिता सौराजुल शेख, ग्राम दमदमा, प्रखंड महेशपुर ने बैंक खाते पर लगे होल्ड को हटाने के लिए आवेदन दिया।

बीएकेएस ने डी-प्लास्ट क्वार्टर फ़्लोरिडा ऑर्डर डिजाइन की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने प्रबंधन द्वारा हाल ही में जारी डी-प्लेट क्वार्टर फ़्लोरिक प्रक्रिया पर गंभीर आवश्यकताओं की मांग करते हुए आदेश जारी किया है। संघ ने रेफरी. क्रमांक बीएसएल/टीएटीएएमएस /2026/डी/009 दिनांक 30.05.2026 के जारी विज्ञप्ति में सरकरोल में वरिष्ठता (वरिष्ठता) के सिद्धांतों और एचएआर -2017 के पेशेवरों की राय शामिल है। यूनियन ने कहा कि किर्क सरूल में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि निम्नलिखित रिक्त डी टाइप क्वार्टरों को वरिष्ठता के अनुसार कड़ाई से आवंटन के लिए पेश किया जा रहा है, प्रस्तुत सूची और वरिष्ठता सूची के परीक्षण से पता चलता है कि केवल वरिष्ठता का पालन नहीं हुआ है, बल्कि एचएआर -2017 की मूल भावना भी समाप्त हो गई है। यूनियन ने कहा कि इसी तरह कई वरिष्ठ कर्मचारियों को क्वार्टर शेयरिंग दी गई, जबकि कनिष्ठ कर्मचारियों को क्वार्टर डिपार्टमेंट दिया गया।बीकेएएस ने यह भी बताया कि प्रबंधन ने पहले संख्या बीएसएल/टीए/टीएएमएस/2026/डी/007 के माध्यम से 4 ए और 4 डी सेक्टर की महिला कर्मचारियों के लिए चयन विकल्प आमंत्रित किए गए थे, जबकि बाद में सरकुल रेफरी। नंबर बीएसएल/टीए/टीएएमएस/2026/डी/009 में स्पष्ट कर दिया गया कि उन महिला कर्मचारियों की नैतिकता पर अब विचार नहीं होगा। यूनियन का कहना है कि एचएआर-2017 या उसके प्रोफेशनल आर्टिस्ट में महिला कर्मचारियों के लिए अलग से कोई प्रस्ताव नहीं है; ऐसे भिन्न व्यवहार को अनुकूलता के सिद्धांत का उल्लंघन और नियमविरुद्ध माना गया है। संघ ने प्रबंधन से सवाल उठाया कि यदि महिला कर्मचारियों के लिए अलग व्यवस्था की जा सकती है तो उन कर्मचारियों के लिए विशेष व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है जो वर्षों से जर्जर और क्षतिग्रस्त क्वार्टरों में रहने को मजबूर हैं। बीएकेएस ने मांग की है कि डैमेज क्वार्टरों में रहने वाले कर्मचारियों के लिए अलग-अलग सेल जारी कर विशेष रूप से आवंटित अभियान चलाया जाए। संघ ने क्लॉज-13(ए) का हवाला देते हुए कहा कि चेंज केसों के लिए सामान्य वरिष्ठता सूची बनाई गई थी और फ्रेश केसों और चेंज केसों के बीच 1:1 का अनुपात तय किया गया था। केवल मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रचलित मेडिकल परिवर्तन मामलों को अन्य परिवर्तन मामलों की तुलना में 3:1 अनुपात में संस्थागत दी गई थी। वर्तमान प्रक्रिया में परिवर्तन के मामलों में सामान्य वृद्धों से ऊपर रखे गए वृद्धों की सूची तैयार की गई है और उसी के आधार पर सूची तैयार की गई है, जिसमें पुराने मानकों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। यूनियन ने यह भी कहा कि पूर्व कर्मचारियों को किसी प्रकार की आपत्ति (आपत्ति) या दावा (दावा) प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया गया। इस प्रकार की त्रुटि के कारण प्रभावित वृद्ध कर्मचारियों के पास न तो प्रभावशाली सुधार का माध्यम है और न ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जा रहा है। वर्तमान आधिकारिक आदेश को स्वचालित प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। सामान्य वरिष्ठता सूची एवं परिवर्तन वरिष्ठता सूची की पुनः जांच कर गुणवत्ता सूची प्रकाशित की जाये; यदि आवश्यक हो तो अनमोल सूची के आधार पर बुक किए गए डायनासोर को पुनः बुक किया जाए। अंतिम आवंटन से पूर्व अनंतिम आवंटन सूची प्रकाशित की जाये तथा कम से कम 03 कार्य दिवस समय दावा एवं आपत्ति के लिए दिया जाये। प्रतीक्षा सूची प्रणाली लागू हो जायेगी; प्रत्येक तिमाही में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रतीक्षा सूची प्रकाशित की जायेगी। केवल मेडिकल चेंज मामलों को प्राथमिकता दी जाए; परिवर्तन के मामलों को सामान्य वयोवृद्धों के अन्य आर्किटेक्चर के अनुसार रखा जाए।

रानीपुर टोला में लगा 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखण्ड अंतर्गत कुमारपुर पंचायत के रानीपुर टोला में लंबे समय से चली आ रही बिजली समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्थानीय लोगों की मांग और डॉ. तनवीर आलम की पहल पर गांव में 100 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या के कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नया ट्रांसफार्मर लगने से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा तथा उपभोक्ताओं को बेहतर और सुचारु बिजली सेवा मिल सकेगी। ट्रांसफार्मर स्थापित होने के बाद गांव में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर अब्दुल अलीम, तैयब अली समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि नए ट्रांसफार्मर के चालू होने से बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या में कमी आएगी ।

पुलिस ने लौटाए 83 खोये हुए मोबाइल धारकों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बेरमो अनुमंडल पुलिस की पहल पर पिछले कुछ दिनों में विभिन्न थानों में दर्ज खोये/चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिए गए। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर सीईआईआर पोर्टल का उपयोग कर तेज कार्रवाई में कुल 83 मोबाइल बरामद हुए। बरामदगी एवं सौंपने की प्रक्रिया मंगलवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय परिसर में संपन्न हुई जहाँ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रविन्द्र कुमार सिंह ने सभी मोबाइल की सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर उन्हें उनके वास्तविक धारकों को सुपुर्द किया। मोबाइल चोरी या खोने के बाद मायूस चेहरों पर पुलिस की इस पहल से फिर मुस्कान लौट आई। बेरमो डीएसपी रविन्द्र कुमार सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल खोया हो या चोरी हो जाए तो तुरंत नजदीकी थाना को सूचित करें और सरकार द्वारा जारी सीईआईआर पोर्टल पर आवश्यक विवरण अपलोड करें। उन्होंने कहा कि यदि खोया या चोरी हुआ मोबाइल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग में लाया जा रहा है तो उसकी सूचना स्वतः थाना तथा आवेदनकर्ता को मिलेगी, जिससे शीघ्रता से बरामदगी में मदद मिलती है। बरामद मोबाइलों की थानावार संख्या इस प्रकार है: बेरमो थाना 06, गाँधीनगर 02, बोकारो थर्मल 06, चन्द्रपुरा 03, दग्दा 02, नावाडीह 03, पेंक नारायणपुर 01, गोमिया 01, कथारा ओपी 04, चतरोचट्टी 10, आई.ई.एल. थाना 01, महुआटोड़ 08, ललपनियां 01, जगेश्वर विहार 04, जरीडीह 09, कस मार 08, पेटरवार 09 – कुल 83 मोबाइल। पुलिस ने कहा कि जनता का सहयोग और समय पर रिपोर्टिंग ही ऐसे मामलों में सफलता की कुंजी है। बरामदगी अभियान से स्थानीय पुलिस की छवि भी सुदृढ़ हुई है और आम लोगों में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ा है।

सड़क सुरक्षा को लेकर चास में चला विशेष अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास नगर निगम क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। इसी कड़ी में आज मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व खुद ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने किया। अभियान के दौरान टीम ने मुख्य सड़कों के किनारे दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई की। दुकानों के बाहर सड़क और फुटपाथ को घेरकर रखे गए सामानों को मौके से हटवाया गया ताकि पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के लिए सड़क सुरक्षित रहे। इसके साथ ही सड़कों पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों और अवैध पार्किंग के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया गया। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले और सड़क सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मौके पर ही जुमार्ना वसूला गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्रैफिक डीएसपी अजय प्रसाद ने बताया कि शहर में सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर सामान बढ़ाए जाने और गलत स्थानों पर वाहनों की पार्किंग करने के कारण आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे भी यह अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर लालखटंगा में आदमकद प्रतिमा का हुआ अनावरण

आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी बिरसा मुंडा की प्रतिमा : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लालखटंगा : गांव के पहान चरखा पहन एव प्रकाश मुंडा द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर विधि विधान पूजा अर्चना की गई। उसके बाद चेहरे से पद को हटाया गया एवं पहान द्वारा उनकी प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। उस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे राज्यसभा के सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा जी अपने संबोधन में कहा जनजातीय समाज के जननायक महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और स्वाभिमान की प्रेरणा आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करती है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और अधिकारों के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने का कार्य करेगी। देश की भावी पीढ़ियां भगवान बिरसा के उलगुलान से प्रेरणा पाकर एक नए भविष्य का निर्माण करेगी। आइए, भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलकर समरस, सशक्त और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का संकल्प लें। पूर्व मुखिया रितेश उरांव के द्वारा आदमकत धरती आबा भगवान विरसा मुन्डा कि प्रतिमा लगायी गाई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन लालखटंगा पंचायत की मुखिया पुष्पा तिर्की अपने संबोधन करते हुए बिरसा मुंडा (15 नवंबर 1875 - 9 जून 1900) एक भारतीय जनजातीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। मुख्य रूप से उपस्थित थे पूर्व मुखिया रितेश उरांव, ग्राम प्रधान राजेश टोप्पो, भाजपा जिलाध्यक्ष के विनय धीरज महतो, उपमुखिया अजय मुंडा, अनिरुद्ध पाण्डेय गोपाल चौधरी संतोष पांडा अबूआ अधिकार मंच के वेदांत कौशल जी, दीपक मुंडा, मादेव मुंडा, गोरखनाथ सिंह, प्रमोद सिंह, लक्ष्मण मुंडा, राजू नायक, समीर राय, सुनील मुंडा, राजेन्द्र ठाकुर, रूपल कच्छप, सविता देवी, सुशील उरांव, मीरा खलखो, सुनीता कश्यप एवं पूरे लालखटंगा भी ग्रामीण उपस्थित हैं।

बोकारो में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि

बोकारो : भगवान बिरसा मुंडा समिति की ओर से मंगलवार को बिरसा चौक पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस दौरान आदिवासी परंपरा एवं रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की गई तथा उपस्थित लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष योगो पूर्ती ने की, जबकि संचालन संजय गहराई ने किया। पूजा-अर्चना दियूरी गंगाधर पूर्ति द्वारा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले जननायक थे।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो के 4 जूडो खिलाड़ी कैडेट जूडो राष्ट्रीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

बोकारो : चंडीगढ़ में होने वाले कैडेट राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता जो जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा दिनांक 10 जून से 13 जून तक टेनिस हॉल सेक्टर 23 चंडीगढ़ में आयोजित की जा रही है जिसमें बोकारो के 4 खिलाड़ी झारखंड टीम में शामिल होकर झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों में एमजीएम स्कूल बोकारो के राजवीर सिंह 55 केजी, जय श्री 40 केजी एवं सुरभि कुमारी 44 केजी, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 की छात्रा अनुष्का सिंह 73 केजी वेट कैटेगरी में अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेंगे। खिलाड़ियों के साथ टीम कोच के रूप में रांची के अभिषेक सिंह मौजूद रहेंगे। झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष नंद गोपाल त्रिपाठी एवं सचिव परीक्षित तिवारी के साथ-साथ बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष विनय आनंद एवं सभी पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं भेंट की।

चार बहनों ने आम की बागवानी से लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

बोकारो : बोकारो की चार बहनों नेहा, श्वेता, सीमा और अप्पू ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बंजर जमीन पर आम की बागवानी कर मिसाल कायम किया है। बोकारो के चास प्रखंड की चाकुलिया पंचायत अंतर्गत चिंतामी गांव की चार बहन नेहा, श्वेता, सीमा व अप्पू ने आम की बागवानी के जरिए आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी हैं। झारखंड सरकार के बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ लेने के लिए पहले अपने-अपने अभिभावकों को प्रेरित किया। इसके बाद योजना का लाभ लेकर अपने परिवार को आगे बढ़ाने में मदद की। चिंतामी गांव के अधिकांश किसान पारंपरिक खेती पर निर्भर हैं, वहीं इन बहनों ने बंजर जमीन को हरे-भरे आम के बाग में बदलकर क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। अप्पू ने बताया कि वर्ष 2022 में उन्हें अखबार के माध्यम से झारखंड सरकार की बिरसा हरित ग्राम योजना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने अपने चाचा को योजना के बारे में बताया और प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर इसका लाभ लिया। मनरेगा के तहत एक एकड़ बंजर भूमि पर 112 आम के पौधे उपलब्ध कराए गए, जिससे उनकी बागवानी यात्रा की शुरूआत हुई। आज वे पौधे पैसा दे रहे हैं। इसके साथ ही फूल व सब्जी की खेती भी हो करवा रही हैं। एक वर्ष में एक एकड़ में आम, फूल व सब्जी के माध्यम से लगभग एक लाख रुपये की आमदनी हुई है। नेहा और श्वेता ने बताया कि चारों बहनों ने मिलकर पौधों की रोपाई से लेकर सिंचाई और देखभाल तक हर काम स्वयं किया। पौधों को निर्धारित दूरी पर लगाया गया और नियमित रूप से उनकी निगरानी की गई। शुरूआती वर्षों में पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए मंजर और फलों को हटा दिया गया। मालदा नहीं, यूपी का ये छोटा-सा कस्बा है दुनिया की 'आम की राजधानी'! 200 साल पुराना है इसका इतिहास ये हैं सबसे ज्यादा आम उगाने वाले 20 राज्य, हर चौथा मैंगो इस स्टेट का; दुबई-कतर और कुवैत सब स्वाद पर फिदा 'सीपिया' आम चखने को भी नहीं मिलेगा बिहार के किसान ने बताया बागवानी से कैसे कमा रहा हर साल लाखों रुपये बाराबंकी में आम की फसल को दी जा रही सुरक्षा, मैंगो बैग में तैयार हो रहे चौसा व लंगड़ा के साथ दशहरी मुकेश अंबानी के पास है आम का सबसे बड़ा बाग, प्रदूषण से निकला आइडिया रिलायंस को बनाया दुनिया का नंबर 1 एक्सपोर्टर शुरूआत में खराब मिट्टी, कुछ पौधों का सूख जाना और कम उत्पादन जैसी चुनौतियां भी सामने आईं, लेकिन बहनों ने हार नहीं मानी। उन्होंने कृषि विशेषज्ञों से सलाह ली और यूट्यूब सहित विभिन्न माध्यमों से आधुनिक बागवानी की जानकारी हासिल कर पौधों की देखभाल की।

उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण, सड़क के नीचे बनी खाई से मंडरा रहा हादसे का खतरा

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव लंका गांव को जो मुख्य सड़क के नीचे मिट्टी कटाव के कारण खाई बन गई है। जिससे कभी भी भयंकर दुर्घटना घट सकती है। ग्रामीणों द्वारा कई बार प्रखंड प्रशासन समेत आलाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई,परंतु लापरवाह तंत्र मूकदर्शक होकर अनहोनी के इंतजार में बैठे हैं। उक्त बातें झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार ने कहा। उन्होंने सरकारी तंत्र को चेतावनी देते हुए कहा कि लगभग एक वर्ष पूर्व उक्त सड़क का गार्डवाल ढहने से पानी के बहाव से सड़क के नीचे की मिट्टी ही कट गई। जिससे सड़क के नीचे गहरी खाई बन गई है। उक्त सड़क गांव का मुख्य संपर्क पथ होने के कारण पर रोजाना हजारों ग्रामीण का आवागमन होता है। जहां सड़क के नीचे खाई कभी भी जानलेवा बन सकती है। अर्जुन ने कहा कि जल्द मरम्मती नही हुआ तो ग्रामीणों के साथ आंदोलन को बाध्य होंगे। मौके पर पंकज कुमार महतो, अंगद कुमार महतो, हिमांशु कुमार, सीताराम महतो, सुजीत कुमार, निवारण महतो, बेनर्जी कर्मकार, शिबू महतो, सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कम्पनी राज के खिलाफ बिरसा का उलगुलान आज भी प्रासंगिक : माले

बोकारो : शहीद बिरसा मुंडा की 126 वीं शहादत दिवस पर आज भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने करगली गेट स्थित शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक मिनट का मौन श्रद्धांजलि अर्पित किया। बिरसा मुंडा को हूल जोहार, जल जंगल जमीन और जनाधिकार के लिए संघर्ष तेज करो, कम्पनी राज नहीं चलेगा के नारे के साथ बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर बारी बारी से पुष्पांजलि अर्पित किया गया। स्मारक स्थल पर ही पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा माले नेताओ ने कहा कि आजादी के आंदोलन में झारखंड के वीर सपूतों के उलगुलान की इतिहास लेखन में उपेक्षा हुई है। 1857 से पहले ब्रिटिश शासन की कंपनी रूल्स के खिलाफ झारखंड में कई उलगुलान और शहादतें हुई है। कम्पनी राज के खिलाफ बिरसा का उलगुलान आज भी प्रासंगिक है। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती से शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस असल में आदिवासियों की एकता, पहचान और संघर्ष की विरासत को कमजोर करने की साजिश है, आदिवासियों को वनवासी कहना, फर्जी इनकाटंरों में अधिकांशत: आदिवासियों की हत्या, डीलिस्टिंग के बहाने उनके आरक्षण को खत्म करने और जंगलों को अदानी को सौंप कर आदिवासियों को बाहर करना इसका ताजा तारीन उदाहरण है। ईस्ट इंडिया की तरह ही अब अदानी के कम्पनी राज के खिलाफ संघर्ष बिरसा मुंडा की सच्ची श्रद्धांजलि होगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य भूवनेश्वर केवट पेटरवार प्रखंड सचिव पंचानन मंडल, जिला कमिटी सदस्य राज केवट, छुट्टू मांझी, शंकर मांझी, तुलु गंजु , आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में RSS प्रमुख मोहन भागवत का दौरा, 10 जून को बरौनी जंक्शन पर आगमन

पटना (एजेंसी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के 10 जून को बरौनी जंक्शन पहुंचने के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. उनके आगमन को देखते हुए बरौनी जंक्शन और आसपास के पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील करने की तैयारी कर ली गई है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत के 10 जून को बरौनी जंक्शन पहुंचने के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. उनके आगमन को देखते हुए बरौनी जंक्शन और आसपास के पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील करने की तैयारी कर ली गई है. सुरक्षा एजेंसियों ने स्टेशन परिसर से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक विशेष निगरानी व्यवस्था लागू कर दी है. सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, कई वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार को तेघड़ा एसडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार, सदर डीएसपी-1 आनंद पांडेय, सदर डीएसपी-2 कुमारी दुर्गा शक्ति, रेल डीएसपी, जीआरपी इंस्पेक्टर मनीष कुमार और आरपीएफ इंस्पेक्टर लोकेश साव समेत कई अधिकारी शामिल हुए. अधिकारियों ने बरौनी स्टेशन, रेल परिसर और फुलवड़िया थाना क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए. डॉग स्क्वॉड, ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी सुरक्षा के मद्देनजर डॉग स्क्वॉड, ड्रोन कैमरा और विशेष तकनीकी टीमों को सक्रिय कर दिया गया है. स्टेशन परिसर के प्रत्येक संवेदनशील स्थान पर निगरानी रखी जा रही है. सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके. मुंगेर दौरे के बाद बरौनी पहुंचेंगे मोहन भागवत जानकारी के अनुसार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 7 से 9 जून तक मुंगेर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल हैं. इस दौरान वे विभिन्न राज्यों से आए करीब 700 स्वयंसेवकों को संगठन, राष्ट्र सेवा और संघ की विचारधारा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देंगे. इसके बाद 10 जून को सड़क मार्ग से बरौनी जंक्शन पहुंचेंगे और वहां से ट्रेन द्वारा अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना होंगे. स्टेशन के चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर आरएसएस प्रमुख के आगमन को देखते हुए बेगूसराय पुलिस, रेल पुलिस, मेडिकल टीम और अग्निशमन विभाग को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है. स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, मुख्य प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र और पार्किंग क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी. अधिकारियों का दावा है कि सुरक्षा व्यवस्था इतनी सख्त रहेगी कि बिना जांच के कोई भी व्यक्ति स्टेशन परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेगा.

कल से दूसरे राज्यों के खनिज वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य, नहीं तो लगेगा जुमार्ना

पटना (एजेंसी) खनिज परिवहन के दौरान वाहन चालक को ट्रांजिट पास के साथ संबंधित राज्य द्वारा निर्गत वैध खनिज परिवहन चालान रखना अनिवार्य होगा. हाजीपुर से कैफ अहमद की रिपोर्ट : जिले के सभी खनिज परिवहनकर्ताओं, वाहन स्वामियों एवं चालकों को सूचित किया गया है, कि बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशानुसार 10 जून से राज्य में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के सभी लघु खनिज परिवहन वाहनों के लिए ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य होगा. नियम का पालन नहीं करने पर जुमार्ना लगाया जाएगा. इस नई व्यवस्था का उद्देश्य वैध खनिज परिवहन को बढ़ावा देना, अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा खनिज कारोबार में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है. जांच में दस्तावेज की कमी पर होगी कार्रवाई नियम के अनुसार खनिज परिवहन के दौरान वाहन चालक को ट्रांजिट पास के साथ संबंधित राज्य द्वारा निर्गत वैध खनिज परिवहन चालान रखना अनिवार्य होगा. जांच के दौरान यदि इनमें से कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाया जाता है तो बिहार खनिज (समाहरण, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली 2019 एवं संशोधित प्रावधान 2026 के तहत कार्रवाई करते हुए जुमार्ना अधिरोपित किया जाएगा. नई व्यवस्था के तहत वाहन मालिक या चालक को पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा. इसके लिए पोर्टल पर वाहन विवरण दर्ज कर लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा। इसके बाद ट्रांजिट पास के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा. शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करना होगा जिला पदाधिकारी ने बताया कि दूसरे राज्यों से जारी वैध खनिज परिवहन चालान बनने के छह घंटे के भीतर ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य होगा. ट्रांजिट पास की वैधता चालान के अनुरूप होगी और निर्धारित शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा. उन्होंने बताया कि यदि परिवहन चालान में खनिज की मात्रा वजन के आधार पर अंकित है तो 60 रुपये प्रति मीट्रिक टन तथा आयतन के आधार पर होने पर 85 रुपये प्रति घन मीटर की दर से शुल्क देय होगा.

बिहार होम गार्ड भर्ती परीक्षा 10 जून को, बेगूसराय के 13 केंद्रों पर जैमर-सीसीटीवी से होगी मॉनिटरिंग

पटना (एजेंसी) बिहार (होम गार्ड) गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक लिपिक पदों पर नियुक्ति के लिए प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 10 जून को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी . परीक्षा एक पाली में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी . विकाश मिश्रा) बिहार (होम गार्ड) गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक लिपिक पदों पर नियुक्ति के लिए प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 10 जून को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी . परीक्षा एक पाली में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी . परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं . डीएम-एसपी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री तथा पुलिस अधीक्षक मनीष ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए . उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियम उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा . सुबह 9:30 बजे के बाद बंद हो जाएगा प्रवेश जिला प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है . निर्धारित समय के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी . परीक्षार्थियों को आयोग द्वारा जारी प्रवेश पत्र के साथ वैध फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा . सभी परीक्षा केंद्रों पर लगाए गए जैमर और सीसीटीवी परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर एवं सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं . साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके . मोबाइल और स्मार्ट वॉच पूरी तरह प्रतिबंधित जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट तथा किसी भी प्रकार के संचार उपकरण ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा . परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के आसपास भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा प्रभावी रहेगी . इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट दुकानों और साइबर कैफे की गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी .

अब 30 दिनों में मिलेगी फैक्ट्री खोलने की मंजूरी, बिहार में लागू हुआ सिंगल विंडो सिस्टम

पटना (एजेंसी) बिहार में फैक्ट्रियां लगाना आसान करने के लिए सम्राट चौधरी कैबिनेट ने एसआईपीबी (SIPB) सचिवालय को सिंगल नोडल एजेंसी बनाया है. अब विभागों को 30 दिनों में मंजूरी देनी होगी, वरना आवेदन अपने आप पास माना जाएगा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में बिहार में उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया. सरकार ने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन अधिनियम 2016 के तहत राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद (SIPB) सचिवालय को निवेश से जुड़े मामलों की मुख्य एजेंसी बनाने की मंजूरी दे दी है. सरकार का मानना है कि इस फैसले से उद्योग लगाने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक आसान, तेज और ट्रांसपेरेंट होगी. इससे राज्य में इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे. निवेशकों को नहीं करना पड़ेगा बेवजह इंतजार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की कोशिश है कि बिहार में उद्योग लगाने के इच्छुक लोगों को किसी तरह की अनावश्यक परेशानी का

सामना न करना पड़े. निवेशकों को समय पर सभी जरूरी मंजूरियां मिलें, इसके लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है. नई व्यवस्था के तहत SIPB सचिवालय किसी भी निवेश प्रस्ताव की जांच और सिफारिश करने के बाद संबंधित विभाग या अधिकारी को तय समय के भीतर मंजूरी देनी होगी. अधिकतम 30 दिनों के अंदर फैसला लेना अनिवार्य होगा. तय समय में फैसला नहीं तो मिलेगी स्वतः मंजूरी सरकार ने निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक और महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू की है. यदि कोई विभाग या अधिकारी तय समय सीमा के भीतर आवेदन पर फैसला नहीं लेता है, तो SIPB सचिवालय खुद ही मंजूरी जारी कर सकेगा. इस मंजूरी को सभी संबंधित विभागों को मानना होगा. इसके बाद उस फैसले को रोकने या बदलने का अधिकार संबंधित विभाग के पास नहीं रहेगा. इससे उद्योग लगाने वाले लोगों का समय बचेगा और परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ सकेंगी. एक ही जगह से होगा काम सरकार ने फैसला किया है कि उद्योगों से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सीधे SIPB सचिवालय में तैनात किया जाएगा. इससे अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी. ये सभी अधिकारी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर की निगरानी में काम करेंगे. इससे निवेश से जुड़े मामलों पर जल्दी फैसला लिया जा सकेगा और फैक्ट्री लगाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी. फैक्ट्री के लिए बनेगा नियम मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों की स्थापना, संचालन और विस्तार से जुड़ी सभी मंजूरियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और नियम बनाए जाएंगे. इन नियमों के लागू होने से पूरी प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी होगी. साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी और निवेशकों को यह पता रहेगा कि किस काम में कितना समय लगेगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें रोजगार और आर्थिक विकास को मिलेगी रफ्तार मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों का विस्तार ही बिहार की आर्थिक प्रगति का सबसे मजबूत आधार है. इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी. उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि बिहार देश और विदेश के निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद और पसंदीदा निवेश केंद्र बने. इसी दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं ताकि राज्य में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित हो सकें और विकास की रफ्तार तेज हो.

खान सर को राहत, लेकिन रौशन आनंद को नहीं मिली जमानत, कोर्ट ने याचिका की खारिज

पटना (एजेंसी) ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद को बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है, जबकि इसी मामले में खान सर को फिलहाल गिरफ्तारी से राहत मिली है. पटना में चर्चित फायरिंग और कोचिंग विवाद मामले में एक तरफ जहां खान सर को फिलहाल राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद को बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. इस फैसले के बाद रौशन आनंद को फिलहाल जेल में ही रहना होगा. रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज खान सर की कोचिंग पर हमले और उसके बाद सामने आए विवाद से जुड़े मामले में जेल में बंद रौशन आनंद ने कोर्ट से जमानत की मांग की थी. हालांकि, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उनकी दलीलों को पर्याप्त नहीं माना और जमानत याचिका खारिज कर दी. अदालत के इस फैसले को मामले की जांच के लिहाज से अहम माना जा रहा है.खान सर को मिली अंतरिम राहत मंगलवार को इसी मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई. पटना सिविल कोर्ट ने फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है. साथ ही पुलिस को केस डायरी पेश करने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगली सुनवाई या अगले आदेश तक खान सर के खिलाफ किसी तरह की कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी. आत्मरक्षा में गोली चलाने का दावा खान सर की ओर से कोर्ट में पेश हुए अधिवक्ता अरविंद कुमार महुआर ने दलील दी कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई थी. उनका कहना था कि किसी भी तरह से भय या आतंक का माहौल बनाना उद्देश्य नहीं था. वकील ने अदालत को बताया कि अग्रिम जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 20 जून को होगी. हत्या की कोशिश समेत गंभीर धाराओं में केस खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और हथियारों के कथित अवैध इस्तेमाल से जुड़ा मामला दर्ज है. इसी को लेकर सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई थी. सिक्योरिटी गार्डों की जमानत पर कल फैसला संभव मामले में गिरफ्तार खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई.

अब मोबाइल पर देखिए पटना हनुमान मंदिर और इस्कॉन की आरती, यहाँ है पूरी जानकारी

पटना (एजेंसी) राजधानी पटना के प्रमुख मंदिरों के दर्शन और आरती में शामिल होने के लिए अब आपको घर से बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अगर आप किसी कारणवश मंदिर नहीं जा पा रहे हैं, तो अब आप डिजिटल माध्यम से घर बैठे ही भगवान का आशीर्वाद ले सकते हैं। पटना. राजधानी पटना के प्रमुख मंदिरों के दर्शन और आरती में शामिल होने के लिए अब आपको घर से बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अगर आप किसी कारणवश मंदिर नहीं जा पा रहे हैं, तो अब आप डिजिटल माध्यम से घर बैठे ही भगवान का आशीर्वाद ले सकते हैं। ढंश्ल्लं ळीस्त्र'ीर छ्प्री दर्शन सुविधा के जरिए भक्त अब पटना जंक्शन स्थित प्रसिद्ध महावीर मंदिर और बुद्ध मार्ग स्थित भव्य इस्कॉन मंदिर की आरती का सीधा प्रसारण अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर देख सकते हैं। महावीर मंदिर में आरती का समय पटना जंक्शन के पास स्थित श्री हनुमान जी को समर्पित महावीर मंदिर देश के सबसे प्राचीन और उत्तर भारत के सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है। श्रद्धालु अब इस पवित्र मंदिर का सीधा दर्शन कर सकते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा के तहत आरती का सीधा प्रसारण किया जाता है, जिसके लिए आपको लाइव महावीर मंदिर के आधिकारिक लिंक पर जाना होगा। यहाँ आरती का समय इस प्रकार है: पटना के बुद्ध मार्ग पर स्थित इस्कॉन मंदिर (श्री राधा बांके बिहारी जी मंदिर) भगवान श्री कृष्ण को समर्पित एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यहाँ की सुबह की मंगला आरती एक दैनिक रस्म है जो बेहद खास होती है, जिसमें भक्त देवी-देवताओं से प्रार्थना करते हैं और मधुर भजन गाते हैं। मंदिर में मंगला आरती सुबह 4:30 बजे और शयन आरती रात 8:00 बजे होती है। हालांकि के माध्यम से केवल सुबह 4:30 बजे वाली मंगला आरती का ही सीधा प्रसारण किया जाता है। भक्त पर जाकर इस अद्भुत मंगला आरती में ऑनलाइन शामिल हो सकते हैं।

पटना में पारा 41.3 डिग्री के पार, जानिए बुधवार से बारिश को लेकर क्या है मौसम

पटना (एजेंसी) पटना. राजधानी पटना के लोगों को फिलहाल झुलसा देने वाली गर्मी से कोई खास राहत मिलती नहीं दिख रही है। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान अचानक बढ़कर 41.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने लोगों को बेहाल कर दिया। अगर के कर-वट लेने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, पटना. राजधानी पटना के लोगों को फिलहाल झुलसा देने वाली गर्मी से कोई खास राहत मिलती नहीं दिख रही है। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान अचानक बढ़कर 41.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने लोगों को बेहाल कर दिया। अगर आप भी ढंश्ल्लं हींझँ१ के करवट लेने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो मौसम विज्ञान केंद्र (IMD) की तरफ से एक राहत भरी खबर आई है। हालांकि, अगले 24 घंटे यानी मंगलवार को भी शहर और इसके आसपास के

इलाकों में तेज धूप और भीषण गर्मी का सितम जारी रहेगा, लेकिन बुधवार से मौसम में बदलाव की पूरी संभावना है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, बुधवार से Patna Weather में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान तेज आंधी और झमाझम बारिश होने की संभावना जताई गई है, जिससे शहर के अधिकतम तापमान में अच्छी खासी गिरावट दर्ज की जाएगी। राहत की बात यह है कि आंधी-पानी का यह सुहाना दौर 13 जून तक चलने की उम्मीद है। इस बदलाव से पटनावासियों को चिलचिलाती धूप, लू के थपेड़ों और चिपचिपी उमस से काफी हद तक राहत मिलेगी। पिछले कुछ दिनों के तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो रविवार के मुकाबले सोमवार को पारे में अचानक तीन डिग्री सेल्सियस से अधिक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन भर तेज धूप के कारण एक बार फिर से आम जनजीवन खासा प्रभावित हुआ और दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। इस बीच पटना जिले के मोकामा इलाके से एक सुखद खबर सामने आई। सोमवार को मोकामा और उसके आसपास के क्षेत्रों में अचानक तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इस बारिश से स्थानीय स्तर पर लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। अब पूरे शहर को बस बुधवार का इंतजार है जब ढंश्ल्लं हींझँ१ पूरी तरह से करवट लेगा और मानसूनी फुहारों से पहले की यह बारिश लोगों को भीषण गर्मी से निजात दिलाएगी। तब तक मौसम विभाग ने लोगों से गर्मी से बचाव करने और खूब पानी पीने की सलाह दी है।

बिहार मैट्रिक 2026 अंक पत्र जारी, गलतियों में सुधार की अंतिम तारीख 20 जून, छात्रों के लिए बड़ी खबर

पटना (एजेंसी) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक 2026 के अंक पत्र और प्रमाण पत्र सभी जिलों में भेज दिए हैं. स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे दस्तावेजों का मिलान कर छात्रों को समय पर वितरण सुनिश्चित करें. त्रुटि सुधार के लिए छात्रों को 20 जून 2026 तक का अंतिम मौका दिया गया है. ने वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 के छात्रों के लिए बड़ा अपडेट जारी किया है. बोर्ड ने सभी जिलों में अंक पत्र, क्रॉस लिस्ट और सारणीयन पंजी भेज दिए हैं. अब विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द से जल्द दस्तावेज प्राप्त कर छात्रों को वितरण की प्रक्रिया शुरू करें. जिलों में भेजे गए अंक पत्र और प्रमाण पत्र बोर्ड ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालयों को आवश्यक दस्तावेज भेज दिए हैं. विद्यालय प्रधानों को निर्देश दिया गया है कि वे कार्यालय से अंक पत्र और प्रमाण पत्र प्राप्त कर छात्रों को समय पर वितरित करें. वितरण से पहले हर अंक पत्र का मिलान स्कूल रिकॉर्ड से करना अनिवार्य होगा. गलतियों पर सख्त

नियम, फोटो में त्रुटि पर नहीं मिलेगा प्रमाण पत्र यदि किसी अंक पत्र में गलत फोटो, अस्पष्ट फोटो या फोटो नहीं छपा है, तो ऐसे दस्तावेज छात्र को नहीं दिए जाएंगे. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रधानों की होगी कि सभी विवरण सही हों. 20 जून तक सुधार का अंतिम मौका बिहार बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि त्रुटिपूर्ण अंक पत्रों को साक्ष्य सहित अग्रसारण पत्र के साथ 20 जून 2026 तक संबंधित जिला परीक्षा शाखा में जमा करना होगा. इसके बाद किसी भी प्रकार की फोटो संबंधी त्रुटि स्वीकार नहीं की जाएगी. स्कूल प्रधानों की जिम्मेदारी तय समय पर सुधार नहीं कराने की स्थिति में अंक पत्र में किसी भी गलती की जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रधान की होगी. बोर्ड ने सभी डीईओ को निर्देश दिया है कि वे विद्यालयवार पैकेट तुरंत प्रधानों को उपलब्ध कराएं. गलत वितरण पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश यदि किसी विद्यालय को गलती से दूसरे स्कूल के छात्र का अंक पत्र मिल जाता है, तो उसे तुरंत वापस कराने का निर्देश दिया गया है. बिहार बोर्ड ने प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने पर जोर दिया है. छात्रों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

पटना में साइबर ठगों का बड़ा खेल, चार लोगों से लाखों की ठगी, अलग-अलग तरीकों से दिया झटका

पटना (एजेंसी) पटना में साइबर ठगों ने चार लोगों के बैंक खातों से अलग-अलग तरीकों से कुल 9.16 लाख रुपये की ठगी कर ली.किसी को बिजली मीटर अपडेट, तो किसी को क्ढड निवेश का लालच देकर ठगों ने बड़ी रकम अपने खाते में ट्रांसफर करवा ली. सभी पीड़ितों ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. पटना में साइबर अपराध का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां साइबर बदमाशों ने चार अलग-अलग लोगों के बैंक खातों से कुल 9.16 लाख रुपये की निकासी कर ली. ठगी के विभिन्न तरीकों में बिजली मीटर अपडेट, क्ढड निवेश और मोबाइल हैकिंग जैसे हथकंडे शामिल थे. सभी पीड़ितों ने साइबर थाने में मामला दर्ज करा दिया है. बिजली मीटर अपडेट के नाम पर 2.77 लाख की ठगी शाहपुर निवासी राहुल कुमार को साइबर ठगों ने बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर फोन किया. उन्हें मीटर अपडेट करने के नाम पर 100 रुपये का रिचार्ज करने को कहा गया और उनका उअ नंबर भी बताया गया. इसके बाद उनके खाते से 2.77 लाख रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़ित ने तुरंत साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई. क्ढड निवेश के नाम पर 3.90 लाख की धोखाधड़ी रूपसपुर निवासी रंजीत लाल को शेयर बाजार में मुनाफे का लालच देकर ठगी का शिकार बनाया गया. ठगों ने उन्हें क्ढड एलॉटमेंट के नाम पर पैसा निवेश करने को कहा. रंजीत ने आठ किस्तों में कुल 3.90 लाख रुपये

ट्रांसफर कर दिए, जिसके बाद ठगों ने अपना मोबाइल बंद कर दिया. शिकायत के बाद कुछ रकम को होल्ड पर रखा गया है. मोबाइल हैक कर दो लोगों से की गई ठगी साइबर अपराधियों ने पिपलांवा निवासी अखिलेश कुमार का मोबाइल फोन हैक कर उनके खाते से 1.25 लाख रुपये निकाल लिए. वहीं रूकनपुरा निवासी खगेंद्र प्रजापति के मोबाइल को भी हैक कर 1.24 लाख रुपये की निकासी कर ली गई. दोनों मामलों में साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. साइबर थाना में दर्ज हुए कई केस सभी पीड़ितों ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कुछ लेन-देन को होल्ड पर भी रखा गया है. पुलिस की अपील पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या निवेश ऑफर पर भरोसा न करें और सतर्क रहें, ताकि साइबर ठगी से बचा जा सके.

पटना में 48 घंटे में पारा 45 डिग्री के पार, अलर्ट जारी, इन तारीखों को होगी झमाझम बारिश

पटना (एजेंसी) पटना समेत बिहार के कई जिलों में अगले 48 घंटे के दौरान तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है.मौसम विभाग ने भीषण गर्मी और उमस को लेकर अलर्ट जारी किया है. 10 और 11 जून को बारिश की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट और गर्मी से राहत मिल सकती है. पटना में गर्मी ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. राजधानी पटना समेत कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जबकि उमस ने हालात और भी खराब कर दिए हैं. मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक गर्मी और बढ़ने की चेतावनी दी है. हालांकि इसके बाद मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है और कई जिलों में बारिश राहत लेकर आएगी. अगले 48 घंटे भारी पड़ेंगे, और चढ़ेगा पारा मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है. तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण लोगों को दिन के समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. कब तक सताएगी गर्मी? मौसम विभाग के अनुसार बुधवार तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का असर बना रहेगा. इसके बाद मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में बादल छाने के साथ बारिश की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं. मौसम में बदलाव के बाद तापमान धीरे-धीरे कम होने की संभावना है. पटना का मौसम पूवार्नुमान मंगलवार को पटना, गया, भभुआ, बक्सर और डेहरी में अत्यधिक उमस भरी गर्मी रहने की चेतावनी जारी की गई है. हवा में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण लोगों को सामान्य से ज्यादा गर्मी महसूस होगी. दोपहर के समय बाहर निकलना परेशानी भरा साबित हो सकता है. इन जिलों में 40 डिग्री के पार पहुंचा तापमान राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया. डेहरी में सबसे अधिक 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया. इसके अलावा बक्सर में 42.7 डिग्री, भभुआ में 42.4 डिग्री, औरंगाबाद में 41.6 डिग्री, गया में 41.4 डिग्री, पटना में 41.3 डिग्री, शेखपुरा और जीरादेई में 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. इन जिलों में 40 डिग्री के पार पहुंचा तापमान राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया. डेहरी में सबसे अधिक 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया. इसके अलावा बक्सर में 42.7 डिग्री, भभुआ में 42.4 डिग्री, औरंगाबाद में 41.6 डिग्री, गया में 41.4 डिग्री, पटना में 41.3 डिग्री, शेखपुरा और जीरादेई में 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. सामान्य से कई डिग्री ऊपर पहुंचा तापमान, बढ़ी चिंता मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार पटना और बक्सर में तापमान

सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया. वहीं डेहरी में 3.6 डिग्री, कैमूर में 3.7 डिग्री, शेखपुरा में 3.4 डिग्री और औरंगाबाद में 3.5 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया. सामान्य से अधिक तापमान ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है. 10 और 11 जून को होगी बारिश भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है. पूवार्नुमान के मुताबिक 10 और 11 जून को राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की संभावना है

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं - आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस -

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्ङ्क्षआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया।. उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान

तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिएहैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

-ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ

ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनो की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनो को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के

लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको) । ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्त्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं

जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैपसी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी वाट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम :श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अटापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते है। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी-कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

एक नजर

दिल्ली पीआरएस सेवाएं एक घंटे के लिए रहेंगी बंद

नयी दिल्ली: उत्तर रेलवे ने मंगलवार को बताया कि उत्तर पश्चिम रेलवे के जवाई बांध रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर सुमेरपुर जवाई बांध रेलवे स्टेशन किए जाने के कारण दिल्ली यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) की कुछ सेवाएं 9 और 10 जून की मध्यरात्रि के दौरान लगभग एक घंटे के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। उत्तर रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, स्टेशन कोड में बदलाव की प्रक्रिया के चलते दिल्ली पीआरएस में तकनीकी कार्य किया जाएगा। इस दौरान पीएनआर पूछताछ, करंट रिजर्वेशन, टिकट निरस्तीकरण, चार्टिंग, ईडीआर (एक्सेप्शनल डेटा रिपोर्ट) तथा आरक्षण काउंटरों पर उपलब्ध पीआरएस रिपोर्ट सेवाएं प्रभावित रहेंगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस अस्थायी व्यवधान को ध्यान में रखें। विज्ञप्ति के अनुसार, निर्धारित कार्य पूरा होने के बाद सभी सेवाएं सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएंगी।

नदी जोड़ो परियोजनाओं में धन नहीं, सोच सबसे बड़ी चुनौती : उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली: उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि देश में पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदियों को जोड़ने और भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयासों को तेज करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नदी जोड़ो परियोजनाओं को लागू करने में धन की कमी बड़ी बाधा नहीं है बल्कि लोगों की सोच और राजनीतिक कारण अधिक चुनौतीपूर्ण हैं। उपराष्ट्रपति भवन में जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्रीय हित में पानी के बेहतर प्रबंधन के लिए दूरदर्शी और सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। बैठक में उन्हें जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी दी गई। उपराष्ट्रपति ने 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इसमें सरकार, समाज, उद्योग और विभिन्न संगठनों की भागीदारी से जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने का अच्छा प्रयास किया जा रहा है। उन्हें बताया गया कि इस अभियान के दूसरे चरण के तहत 1.55 करोड़ से अधिक जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने से जुड़े ढांचे बनाए या दर्ज किए गए हैं, जो तय लक्ष्य से काफी अधिक हैं। बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति को केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना समेत प्रमुख नदी जोड़ो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी भी दी गई।

नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश में ओमान के तट पर अमेरिका ने डुबोया तेल टैंकर

नयी दिल्ली: ओमान के मसिराह तट के पास चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करने और नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश में अमेरिका ने सोमवार को पलाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स पर मिसाइल से हमला कर दिया। हालांकि, इस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह जहाज खाली था और उस पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। यह ब्लैक लिस्टेड जहाज अमेरिकी नौसेना की चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करके नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी एवियन में होने वाली जी7 शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-19 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान वे जी7 नेताओं और आमंत्रित भागीदार देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री फ्रांस में 13-14 जून (नीस) और 16-19 जून (एवियन और पेरिस) की आधिकारिक यात्रा करेंगे और बीच में 14-16 जून को स्लोवाकिया की यात्रा करेंगे। यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री 14 जून को नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेता भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे, जिन्हें इस वर्ष की शुरूआत में एक विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया था। नीस में दोनों नेता संयुक्त रूप से 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन भी करेंगे, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के शीर्ष नवाचार स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड एक साथ आएंगे।

अपनी यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री 14 से 16 जून तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री उस देश की पहली यात्रा होगी। यह यात्रा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अप्रैल 2025 में स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा और फरवरी 2026 में एआई इम्पैक्ट समिट के लिए स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी की भारत यात्रा के बाद हो रही है। इस यात्रा दौरान प्रधानमंत्री मोदी अपने समकक्ष रॉबर्ट फिको से बातचीत करेंगे और सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पेलेग्रिनी से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय का कहना है कि यह यात्रा व्यापार, निवेश और ऑटोमोबाइल एवं रेलवे विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्लोवाकिया के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

इसके बाद प्रधानमंत्री 16-17 जून को फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। जी7 शिखर सम्मेलन के सत्र 'नए साझेदारियों का निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्निर्माण', 'सभी के लिए संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास को पुनर्जीवित करना' और 'एआई का सुरक्षित, तीव्र और कुशल कार्यान्वयन सुनिश्चित करना' विषयों पर केंद्रित होंगे।

मध्य प्रदेश में शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा होगी समाप्त : मोहन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय कर्मचारियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने मंगलवार को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम में शासकीय नौकरी में दो बच्चों की अधिकतम सीमा संबंधी प्रावधान वाले प्रारूप नियम को निरस्त कर दिया है। साथ ही पोर्टल से विलोपित करने के आदेश भी जारी किए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2001 में तत्कालीन राज्य सरकार के निर्णय पर सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दो से अधिक जीवित संतान होने पर उम्मीदवारों को शासकीय सेवाओं की सीधी भर्ती और विभागीय नियुक्तियों के लिए अपात्र घोषित करने का प्रावधान था। वर्ष 2001 की प्रचलित व्यवस्था के अनुसार मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के नियमों के तहत 26 जनवरी 2001 या उसके बाद दो से अधिक जीवित संतान वाले उम्मीदवार शासकीय सेवा के लिए अपात्र माने जाते थे तथा मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत शासकीय सेवक के दो से अधिक बच्चे होने को कदाचार की श्रेणी में रखा गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस विषय पर संज्ञान लेते हुए सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिये हैं कि प्रस्तावित मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम के प्रारूप को तत्काल निरस्त कर उसमें दो से अधिक जीवित संतान होने पर शासकीय सेवा में अपात्र माने जाने संबंधी प्रावधानों को विलोपित कर पुनः विधिवत यह नवीन प्रारूप प्रकाशित किया जाये।

प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि ने लैंड पोर्ट्स का महत्व स्थापित किया : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत के लैंड पोर्ट्स के संचालन को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विकसित डिजिटल मंच लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (विनिमय) का उद्घाटन किया। यह प्रणाली सीमा शुल्क, आव्रजन, सीमा सुरक्षा बल और अन्य संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगी।

इस अवसर पर शाह ने कहा कि लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी की संकल्पना 2014 से पहले एक रिपोर्ट की सिफारिशों से सामने आई थी। वर्ष 2012 से 2014 के बीच इसे आकार दिया गया और दो लैंड पोर्ट भी शुरू किए गए। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अवधारणा को नई दिशा मिली। वास्तव में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी का विचार मुख्य रूप से सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण आया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने इसे केवल सुरक्षा के पहले कवच तक सीमित नहीं रखा। इसके साथ-साथ इसे व्यापार को सुगम और सुरक्षित बनाने के एक प्रभावी माध्यम के रूप में भी विकसित किया गया।उन्होंने कहा कि इस सोच में एक नया आयाम भी जोड़ा गया कि लैंड पोर्ट दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क का पुल बन सकते हैं। साथ ही यह भी प्रयास किया गया कि लैंड पोर्ट भारत की संस्कृति और विरासत के राजदूत के रूप में भी कार्य करें।

गृह मंत्री ने कहा कि विस्तृत अध्ययन के बाद वह यह कह सकते हैं कि लैंड पोर्ट्स के तेज विकास से न केवल व्यापार बढ़ा है और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है बल्कि अवैध व्यापार को वैध व्यापार में बदलने के प्रयासों को भी बल मिला है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास में भी लैंड पोर्ट्स ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और जिन इलाकों में पलायन बड़ी समस्या थी, वहां इस चुनौती से निपटने में भी मदद मिली है। शाह ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में सीमा प्रबंधन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय 'स्मार्ट बॉर्डर' की अवधारणा और बहुआयामी रणनीति के साथ देश की स्थलीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस विजन में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम तैयार करते समय सभी हितधारकों की जरूरतों और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में ऐतिहासिक सुधार : नड्डा

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के लक्ष्य को लेकर शुरू किया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) मंगलवार को अपनी सफल यात्रा के 10 वर्ष पूरे कर गया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने देशभर में 'पीएमएसएमए के 10 साल - देखभाल का एक दशक' अभियान की शुरूआत करते हुए 75 रुपये का स्मारक सिक्का और 5 रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया।

इस मौके पर जेपी

नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप शुरू हुई यह पहल देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत 48 प्रतिशत से कहीं बेहतर है। वहीं पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के अनुसार संस्थागत प्रसव बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कवरेज 95.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और जागरूकता बढ़ने का परिणाम बताया। स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में पीएमएसएमए के तहत 7.5 करोड़ से अधिक प्रसव पूर्व जांचें की गईं और करीब 1.2 करोड़ उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान कर समय रहते उपचार सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि देशभर में 9,000 से अधिक निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इस अभियान से जुड़े हैं, जिससे दूरदराज और आकांक्षी जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच बढ़ी है।

पावर ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ को मंजूरी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंगलवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के विकास, कृषि सुधार, ऊर्जा क्षेत्र, शहरी परिवहन एवं प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह फैसले राज्य की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति देने की दिशा में अहम माने जा रहे हैं। साय कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। इससे कंपनी में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम निवेशकों को भागीदारी का अवसर मिलेगा। सरकार ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी के संचालक मंडल को अधिकृत किया है।

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने में विधायिका की भूमिका अहम : तोमर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राजनीतिक दृढ़ता और प्रतिबद्धता आवश्यक है, लेकिन इस काम में विधायिका की भूमिका भी अहम है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधानसभा में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन-सीपीए) भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सरकारें और विधानसभाएं अपनी-अपनी अपनी तरह से तैयारी कर रहे हैं। जनता की मानसिक रूप से तैयारी करवाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जन जागरूकता होगी तो हम आधी लड़ाई वैसे ही जीत जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस कार्य मे विधायक और विधायिका की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधायक वास्तव में जनता और सरकार के बीच में सेतु है। अब अगर विधायक जागरूक हो कर कार्य करेंगे, तो निश्चित रूप से जनता को भी जागरूक बनाने की दिशा में हम महत्वपूर्ण पहल कर पाएंगे। विधायकों की सक्रिय भागीदारी से हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अच्छे परिणाम पाने में सफल होंगे।

तोमर ने सम्मेलन में ॒विकसित भारत झ 2047ः जागरूक समाज और विधायकों की भूमिका॒ विषय की रूपरेखा रखकर सत्र का संचालन सूत्र थामा और विषय की रूपरेखा रखते हुए कहा कि जब विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने की जिम्मेदारी की बात होती है तो हमको दूर तक सोच रखने की आवश्यकता है। अपनी सोच और दृष्टि उन कोनों तक ले जाने की जरूरत है, जहां अभी अभाव दिखाई दे रहा है, जिन कोनों पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र की मजबूती और जवाबदेही की जब बात आती है तब चिंता होने लगती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पाने के लिए राजनीतिक दृढ़ता और प्रतिबद्धता तो आवश्यक है ही, आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होना भी आवश्यक है। इसके साथ ही सामाजिक और नागरिक जागरूकता जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

भारत में परिसर खोलेंगे ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तीन प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और यूजीसी अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी ने यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को स्वीकृति पत्र (एलओपी) सौंपे। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इन विश्वविद्यालयों का भारत में परिसर स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी और शोध सहयोग को और मजबूती मिलेगी। प्रधान ने कहा कि ब्रिस्टल और यॉर्क विश्वविद्यालयों द्वारा मुंबई में तथा न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय द्वारा बेंगलुरु में परिसर स्थापित किया जाना भारत के दो प्रमुख ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्रों को वैश्विक शिक्षा से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने बेंगलुरु को दुनिया के पूर्वी हिस्से की नई सिलिकॉन वैली बताते हुए तीनों विश्वविद्यालयों का भारत में स्वागत किया। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल मुंबई में अपना एंटरप्राइज कैंपस स्थापित करेगा, जहां इमर्सिव आर्ट्स, वित्त, डेटा साइंस, अर्थशास्त्र, व्यवसाय प्रबंधन, उद्यमिता और नवाचार जैसे विषयों में पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क मुंबई में अपना पहला विदेशी परिसर स्थापित करेगा। यहां वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ कंप्यूटर विज्ञान, साइबर सुरक्षा, व्यवसाय, अर्थशास्त्र, रचनात्मक उद्योग और प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स अगस्त 2026 से बेंगलुरु के मन्यता बिजनेस पार्क में अपना परिसर शुरू करेगा। यहां व्यवसाय, कंप्यूटर विज्ञान और साइबर सुरक्षा के अलावा नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, परिवहन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन परिसरों से भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा तक पहुंच बढ़ेगी, शोध और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा भारतीय छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार होगा। इससे भारत और ब्रिटेन तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच शैक्षणिक सहयोग भी मजबूत होगा। मंत्रालय ने बताया कि इन तीन विश्वविद्यालयों को स्वीकृति मिलने के साथ विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए यूजीसी नियमों के तहत जारी स्वीकृति पत्रों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है।

ओमान तट के पास जहाज पर हुए हमले में सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य बचाए गए : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली: विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ओमान तट के पास पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी मैरिवेक्स पर हुए हमले में सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बचा लिए गए हैं। भारतीय दूतावास ने ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर नाविकों को सुरक्षित निकालने में मदद की। मंत्रालय ने ओमान सरकार का आभार व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि ओमान तट के पास पलाऊ ध्वज वाले जहाज एमटी मैरिवेक्स पर हमला हुआ था। घटना से पहले जहाज के चालक दल और अमेरिकी नौसेना के बीच कुछ संवाद हुआ था। जहाज पर चालक दल के कुल 24 सदस्य सवार थे, सभी भारतीय नागरिक हैं। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। भारतीय दूतावास ने ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर बचाव अभियान संचालित किया। मंत्रालय ने ओमान सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि दूतावास नाविकों के संपर्क में है। उल्लेखनीय है कि मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी मुंबई) को सोमवार दोपहर करीब 2:20 बजे जहाज पर हमले की सूचना मिली थी। यह सूचना जहाज पर मौजूद एक नाविक के परिजन द्वारा दी गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एमआरसीसी मुंबई ने तुरंत ओमान के समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र (ओएमएससी) से संपर्क किया और चालक दल को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके बाद ओमान की एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। ओमान के समुद्री बचाव केंद्र ने शाम करीब पांच बजे पुष्टि की कि ओमान नौसेना के हेलीकॉप्टरों ने सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। भारतीय तटरक्षक बल ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि एमआरसीसी मुंबई ने सूचना मिलते ही तुरंत ओमान की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया, जिसके चलते सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया जा सका।

पुडुचेरी में मंत्रिमंडल विस्तार को राष्ट्रपति की मंजूरी, तीन नए मंत्री कल लेंगे शपथ

पुडुचेरी: केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में लंबे समय से प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तीन नए मंत्रियों की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके बाद 10 जून (बुधवार) को नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चचाओं का दौर जारी था। विधानसभा चुनाव में गठबंधन को बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने 13 मई को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी। उनके साथ भाजपा नेता एन. नमसिवायम और अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस के नेता मल्लाडी कृष्णाराव को मंत्री बनाया गया था। हालांकि उस समय मंत्रिपरिषद का पूर्ण गठन नहीं हो पाया था, जिसके कारण मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक हलकों में लगातार चचाएं होती रहीं। मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री रंगासामी ने 3 जून को पुडुचेरी के उपराज्यपाल कैलाशनाथन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने नए मंत्रियों के नामों की सूची सौंपते हुए विस्तार को मंजूरी देने का अनुरोध किया था। प्रस्तावित सूची में एनआर कांग्रेस के नेता राजावेलु और शिवक्कोजुंदु के साथ भाजपा विधायक जी.एन.एस. राजशेखरन के नाम शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इन तीनों नेताओं को मंत्रिपरिषद में शामिल करने की सिफारिश की थी। इसके बाद संवैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए प्रस्ताव को केंद्र सरकार के माध्यम से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**